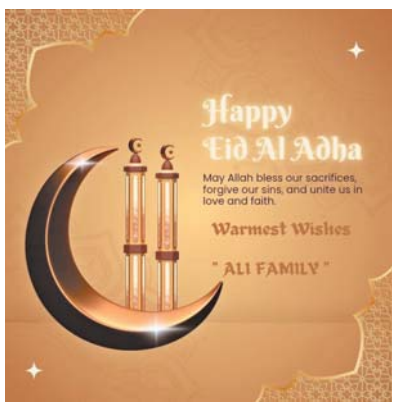

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 295/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 07 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

ओडिशा में बीजेपी सरकार के एक साल पूरे होने पर पीएम मोदी 20 को करेंगे दौरा

सांध्यप्रकाश विशेष

जी7 सम्मेलन में शामिल होने कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी, कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने फोन कर दिया न्योता

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन पर जी7 शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। यह सम्मेलन 15 से 17 जून, 2025 को कनाडा के अल्बर्टा, कनानास्किस में होगा। पीएम मोदी ने आमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वे कार्नी से मुलाकात के लिए उत्साहित हैं। इस सम्मेलन में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, जर्मनी, और कनाडा के नेता शामिल होंगे। भारत के साथ ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन, और ऑस्ट्रेलिया के नेता भी आमंत्रित हैं।

मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे कार्नी को हाल के चुनाव में जीत की बधाई देते हैं और दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान व साझा हितों के आधार पर सहयोग बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। भारत-कनाडा संबंधों में 2023 में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर तनाव बढ़ा था, जब कनाडा ने भारत पर आरोप लगाए थे। भारत ने इन्हें बेबुनियाद बताया था, जिसके बाद कूटनीतिक संबंधों में गिरावट आई। हाल ही में विदेश मंत्रियों की बातचीत से संबंधों में सुधार के संकेत मिले हैं। विपक्ष ने जी7 आमंत्रण न मिलने पर सरकार की आलोचना की थी, इसे कूटनीतिक चूक बताया था।

'स्टारलिंक' को भारत में लाइसेंस मिला, दो सप्ताह में ट्रायल, चप्पे-चप्पे पर होगा इंटरनेट!

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने सैटकॉम कंपनियों के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन की सिफारिश की। लेकिन, DoT ने इन सिफारिशों को अभी तक मंजूरी नहीं दी है। TRAI ने यह भी सिफारिश की है कि सैटकॉम कंपनियों से AGR (एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू) का 4% शुल्क लिया जाए।

भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DoT) ने एलन मस्क की कंपनी Starlink को भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन (SatComm) सेवाएं देने के लिए आधिकारिक लाइसेंस जारी कर दिया। सरकार या स्टारलिंक की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने पुष्टि की है कि स्टारलिंक को लाइसेंस मिल गया है और कहा कि आवेदन करने के 15-20 दिनों के भीतर उन्हें परीक्षण स्पेक्ट्रम प्रदान कर दिया जाएगा। Starlink को भारत में ब्रॉडबैंड और सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की हरी झंडी मिल गई। यह मंजूरी भारत के ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने में मदद कर सकती है।

शिरडी साईबाबा मंदिर में चोरी, चढ़ावे की गिनती करने वाला 30 साल पुराना कर्मचारी ही निकला चोर

शिरडी। शिरडी के साईबाबा मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान लाखों रुपए चोरी होने का मामला सामने आया है। इस चोरी में मंदिर ट्रस्ट के 30 साल से काम कर रहे स्थायी कर्मचारी बाळासाहेब नारायण गोंदकर आरोपी निकला। मंदिर में हर हफ्ते दो बार ट्रस्ट के कई कर्मचारियों की मौजूदगी में दान राशि की गिनती की जाती है। गिनती के समय सभी कर्मचारियों की एंट्री-एग्जिट चेकिंग होती है और गिनती हॉल में सीसीटीवी कैमरे भी लगे होते हैं। इसके बावजूद अप्रैल महीने में गोंदकर ने तीन बार 500 रुपए के नोटों के बंडल चोरी किए।

CBI कर सकती है इंदौर कपल मिसिंग केस की जांच : शिवराज सिंह चौहान ने अमित शाह से की बात

इंदौर। शिलांग में लापता हुए इंदौर के मिसिंग कपल का मामला अब दिल्ली तक पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। साथ ही गोविंद से बात कर लापता सोनम रघुवंशी को सुरक्षित घर वापस

लाने का आश्वासन दिया है। जिसके बाद परिवार की उम्मीद जागी है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अब इस केस की जांच कर सकती है।

शिवराज सिंह चौहान ने अमित शाह से की बात- दरअसल, पूर्व कैबिनेट मंत्री ठा. रामपाल सिंह राजपूत ने इस मामले में सहयोग किया है। रघुवंशी समाज प्रतिनिधि मंडल के साथ वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पास पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद शिवराज सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से फोन पर चर्चा की। इसके बाद अमित शाह ने मेघालय सीएम कॉनराड के. संगमा से बात की है।

पीएम मोदी ने बकरीद के मौके पर देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने इस पवित्र अवसर पर समाज में एकता, शांति और सौहार्द की भावना को और मजबूत करने की अपील की। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, ईद-उल-अजहा की ढेरों शुभकामनाएं. यह पावन अवसर हमारे समाज में सद्भाव और शांति को और मजबूत बनाए - ऐसी मेरी कामना है. सभी को अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की शुभकामनाएं.÷ पीएम मोदी ने यह भी उम्मीद जताई कि यह पर्व सभी के जीवन में खुशहाली और आपसी समझ बढ़ाने का संदेश लेकर आएगा।

बकरीद आज, जामा मस्जिद में पढ़ी गई ईद की नमाज

भोपाल। आज ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर हजारों मुसलमानों ने नमाज अता कर मुल्क की सलामती के लिए दुआ की। ईदगाह में शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी, ताजुल मसाजिद में मौलाना हस्सान साहब ने नमाज पढ़ाई। नमाज के दौरान मुल्क की सलामती, इंसाफ के कयाम और बीमारों की शिफा, फिलिस्तीनी भाइयों की हिफाजत, उनकी भूख-प्यास और हालात को लेकर दुआ मांगी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दी ईदुज्जुहा की बधाई

भोपाल निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ईदुज्जुहा पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि ईदुज्जुहा का त्योहार त्याग, बलिदान और आपसी विश्वास का संदेश देता है। यह त्योहार दीन-दुखियों, गरीबों की सेवा तथा मानवता और भाईचारे को सुदृढ़ बनाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईदुज्जुहा का त्योहार भारत की गौरवशाली परम्परानुसार शांति, सद्भाव और समरसता के साथ मनाने तथा स्वच्छता का ध्यान रखने की अपील की है।

सिहोर पहुंचे सीएम डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

113 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

सीहोर। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर पहुंचे। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 113 करोड़ 45 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

शहरी विकास परियोजनाएं- अमृत 2.0 के तहत 21 करोड़ का सीवरेज प्रोजेक्ट और 3.50 करोड़ के मल्टीपरपज स्विमिंग पूल और जिम का निर्माण होगा। भोपाल नाके से कोतवाली चौराहे तक सीसी रोड बनेगी। उत्कृष्ट स्कूल से लुनिया चौराहे तक स्ट्रीट लाइट और डिवाइडर लगेंगे।

खेल और बुनियादी सुविधाएं- रेशम केंद्र के पास 4.41 करोड़ की लागत से स्टेडियम का निर्माण होगा। इंग्लिश पुरा में 7.83 करोड़ रुपए से नाला निर्माण कार्य किया जाएगा। कोतवाली चौराहे से तहसील चौराहे तक और मछली पूल से शुगर फैक्ट्री चौराहे तक बीटी सड़क बनेगी। जिले के 83 नए पंचायत भवनों के लिए 31.12 करोड़ रुपए, 25 पंचायतों में सामुदायिक भवन के लिए 6.23 करोड़ रुपए और विभिन्न गांवों में स्कूल भवनों के निर्माण के लिए राशि आवंटित की गई है। इछावर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत जल प्रबंधन कार्य भी शामिल हैं।

लक्ष्मण सिंह पर कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई, क्या दिग्विजय के भाई को पार्टी से निकाला जाएगा?

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति एक बार फिर हलचल में है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह के बयानों ने पार्टी में भूचाल ला दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा के सांसद दिग्विजय सिंह के भाई पूर्व सांसद और मंत्री लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस पार्टी से सात साल के लिए निष्कासित करने के लिए कांग्रेस के डिसिप्लिनरी कमिटी के अध्यक्ष सांसद तारिक अनवर ने आलाकमान को सिफारिश की है.. हाल ही में लक्ष्मण सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विवादास्पद बयान भी दिया था।

इस कदम ने न केवल कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी को उजागर किया है, बल्कि मध्य प्रदेश की सियासत में नए समीकरणों की अटकलों को भी हवा दी है।

विवाद की शुरुआत: पहलगाम हमले के बाद भड़की चिंगारी

25 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राघौगढ़ में आयोजित शोकसभा में लक्ष्मण सिंह ने जो बयान दिए, उन्होंने कांग्रेस आलाकमान की भौंहें चढ़ा दीं। उन्होंने न केवल विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की आलोचना की, बल्कि रॉबर्ट वाड्रा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर भी सीधा हमला बोला।

बिलावल भुट्टो को अमेरिकी सांसद ने खूब सुनाई खरी-खोटी

जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करने के लिए कहा

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में पाकिस्तान और उसके पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की जमकर किरकिरी हुई। एक वरिष्ठ अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन ने बिलावल को खूब खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने बिलावल से जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करने के लिए काम करने को कहा। अमेरिकी सांसद ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में आए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से कहा कि वह आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें और देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

कब हुआ वाकया?: यह वाकया तब हुआ,

जब कांग्रेस सदस्य ब्रैड शेरमैन ने वॉशिंगटन में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर रहा था। उनकी यात्रा कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक भारतीय बहुदलीय संसदीय दल की यात्रा के वक्त हुई।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को आतंकवाद से लड़ने की अहमियत समझाई

बिलावल भुट्टो से मुलाकात के बाद शेरमन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, %मैंने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को आतंकवाद से लड़ने की अहमियत समझाई। खासकर उनसे जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करने को कहा, जिसने 2002 में अमेरिकी नागरिक डेनियल पर्ल की हत्या की थी। वह वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार पर्ल का जिक्र कर रहे थे, जिनकी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने अगवा कर हत्या कर दी थी। मामले में उमर सईद शेख को अपराध की योजना बनाने के लिए दोषी ठहराया गया था।

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव-कोषाध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरू एजेंसी। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ई एस जयराम पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 4 जून को भगदड़ हुई थी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। एक संयुक्त बयान में शंकर और जयराम ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात को चस्ष्ट अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बयान में कहा गया, पिछले दो दिनों में हुई अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की वजह से हम यह बताना चाहते हैं कि हमने KSC के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, हमारी भूमिका बहुत सीमित थी।

इंदौर सीएचएल अस्पताल के चेयरमैन डॉ. भार्गव, हार्ट सर्जन मनीष पोरवाल पर कोर्ट ने लिया गैर इरादतन हत्या केस का संज्ञान

इंदौर। सीएचएल अस्पताल के चेयरमैन डॉ. राजेश भार्गव के साथ ही सबसे ज्यादा बायपास सर्जरी करने वाले जाने-माने चीफ कार्डियक सर्जन डॉक्टर मनीष पोरवाल, डॉक्टर पियूष गुप्ता और डॉक्टर अरुण चोपड़ा के खिलाफ जिला कोर्ट ने गैर इरादतन हत्या की धारा 304 ए के तहत केस में संज्ञान में लिया है। कोर्ट ने इन सभी को 5000-5000 रुपए जमानती वारंट के साथ बुलाया है। सभी को 18 अगस्त की सुनवाई में पेश होना होगा।

डॉ. पोरवाल की जगह दूसरों ने कर दी सर्जरी

केस में बताया गया कि इन सभी पर आईपीसी की धारा 304 (ए) के तहत मेडिकल नेग्लिजेंस किए जाने के कारण पिता पांडुरंग की 1 फरवरी 2019 को मौत हो गई। इसमें दस्तावेजों से पाया गया कि सर्जरी डॉ. पोरवाल से कराने के लिए सहमति दी गई थी, लेकिन चेकलिस्ट दस्तावेजों में डॉ. पियूष गुप्ता का नाम है। ऑपरेशन नोटशीट में भी गुप्ता के ही हस्ताक्षर हैं। जबकि इनसे सर्जरी के लिए सहमति दी ही नहीं गई थी।

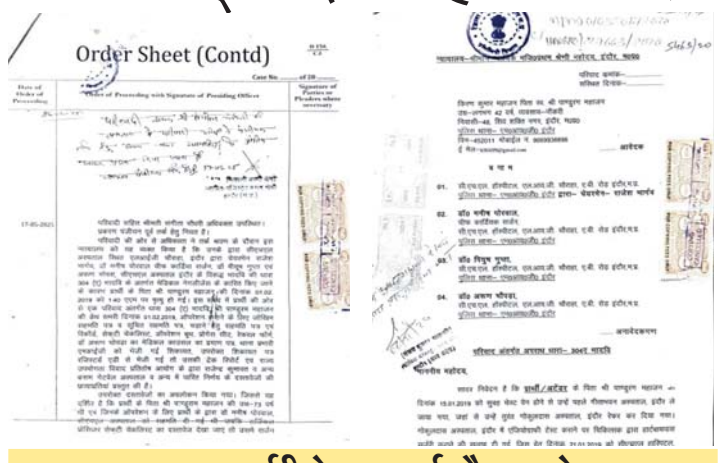

बायपास सर्जरी के बाद हुई मौत का केस

किरण कुमार महाजन पिता पांडुरंग महाजन नवासी शिवशक्ति नगर इंदौर एमआईजी थाना इंदौर द्वारा यह केस इन सभी के खिलाफ लगाया गया। इसमें आरोप है कि प्रार्थी के पिता पांडुरंग को 21 जनवरी 2019 को बायपास सर्जरी के लिए सीएचएल में चीफ कार्डियक सर्जन डॉ. पोरवाल से हार्ट सर्जरी के लिए भर्ती कराया गया था। लेकिन उनकी घोर लापरवाही, उतावलेपन के कारण उनकी मौत हो गई।

डॉ. पोरवाल ने बेलून लगाने का कहा, लेकिन नहीं लगाया

यह भी कहा गया कि डॉ. पोरवाल ने मरीज को इंट्रा एटीक बलून लगाने के लिए कहा था लेकिन वास्तव में वह मरीज को लगाया ही नहीं गया। जिस दिन प्रार्थी के पिता की मृत्यु हुई उस दिन डॉ. अरुण चोपड़ा द्वारा सीपीआर दिया गया जबकि इसके लिए वह योग्य ही नहीं थे। सभी दस्तावेजों के बाद कोर्ट ने कहा कि चेयरमेन डॉ. राजेश भार्गव, चीफ कार्डियक सर्जन मनीष पोरवाल, पियूष गुप्ता और अरुण चोपड़ा पर धारा 304 ए का केस संज्ञान में लिया जाता है। वहीं इन सभी के खिलाफ जमानती वारंट जारी कर 18 अगस्त को उपस्थित होने के निर्देश दिए जाते हैं।

शुभ श्री निर्जला एकादशी

व्रत का सीधा सा अर्थ है सहनशक्ति का संचय और सहनशक्ति का सीधा सम्बंध हमारी संकल्पशक्ति से है। सहनशक्ति जितनी दृढ़ होगी निश्चित ही वो हमारी संकल्पशक्ति को भी उतनी ही दृढ़ता प्रदान करेगी। संकल्पशक्ति की दृढ़ता ही हमारे कार्यों की सिद्धि करती है। दुर्बल संकल्प उन दुर्बल पैरों के समान हैं, जिनसे हिमालय की ऊँचाई को नापना कभी संभव ही नहीं है। व्रत से सहनशक्ति और सहनशक्ति से संकल्पशक्ति के अभ्युदय का मार्ग हमारा विशुद्ध वैदिक विज्ञान जगत को प्रदान करता है। हमारे जितने भी व्रत, पर्व एवं त्यौहार हैं, उनके रहस्य को उद्घाटित करते हुए वर्तमान वैज्ञानिक शोधों ने दुनिया को सोचने पर विवश किया कि उन सबके पीछे हमारे मनीषियों का कितना गूढ़ चिंतन एवं कितनी सूक्ष्म दृष्टि रही होगी। आज विज्ञान भी कहता है कि शरीर के रक्त शोधन के लिए, पाचन क्रिया को दुरुस्त करने के लिए एवं शारीरिक व मानसिक ऊर्जा के संचय के लिए ग्रीष्मकाल में वर्ष में एक दिन निराहार व निर्जल रहना ही चाहिए और सनातन में इसी को हजारों वर्षों से निर्जला एकादशी कहा जाता है।

पं.खुशीलाल आयुर्वेद अस्पताल में सिक्योरिटी बढ़ाने के निर्देश, लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

भोपाल। राजधानी भोपाल के पंडित खुशी लाल आयुर्वेद हॉस्पिटल की सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल परिसर में सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। गुरुवार को भोपाल संभाग के कमिश्नर संजीव सिंह ने मीटिंग में अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से जरूरी सभी उपाय किए जाएं।कमिश्नर सिंह गुरुवार को संभागायुक्त ऑफिस के सभाकक्ष में संस्थान की कार्यकारिणी समिति की बैठक ले रहे थे। इसमें उन्होंने कैमरे लगाने के काम को प्राथमिकता से करने की बात कही। संस्थान में इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स निर्माण के लिए प्राक्कलन प्रस्तुत किया गया। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स के लिए क्रय की जाने वाली सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो एवं बेडमिंटन कोर्ट आदि का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप किया जाए।

इस सत्र से नए नर्सिंग पाठ्यक्रम भी हो शुरू

मीटिंग में सत्र 2025-26 में बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रारंभ करने, संस्थान में कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों, शिक्षक-कर्मचारियों आदि की वेतनवृद्धि, अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने, संस्थान चिकित्सालय में दैनिक उपयोग की सामग्रियां क्रय किए जाने, पीएंडटी विभाग में ऑडियोमेट्री मशीन क्रय, लिफ्ट के एनुअल मेंटेनेंस, एक्स रे मशीन की कार्योत्तर स्वीकृति, डीप फ्रीजर क्रय, आदि के संबंध में प्रस्ताव रखे गए। साथ ही कई निर्णय भी लिए गए

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अवध पैलिस मैरिज गार्डन खुरई में सात फेरे लेने के बाद नव विवाहित जोड़ी सिद्धार्थ एवं मोना ने बृक्षारोपण कर नवजीवन में प्रवेश किया इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी सदस्य अर्चना राकेश जैन एवं परिवार जन उपस्थित रहे।

प्रदेश के नगरीय निकायों में मानसून पूर्व साफ-सफाई अभियान

भोपाल। प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत नगरीय निकायों ने शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। विशेषकर बारिश के दौरान जल-भराव की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिये नाले-नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय ने दिशा-निर्देश जारी किये है। साफ-सफाई अभियान 413 नगरीय निकायों में एक साथ शुरू किया गया है। शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में आवासीय एवं सार्वजनिक क्षेत्र की नालियों से जमी हुई गाद निकालकर गहरी सफाई की जा रही है। वर्षा काल के दौरान जल का प्रवाह सतत रूप से हो सके, इसके लिये नालों के सभी छोर पर जाली लगाई जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। नगरीय निकायों को निर्देश दिये गये है कि नाले-नालियों के ऊपर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही तत्काल की जाये। शहरी क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम के लिये ब्लीचिंग पॉउडर का छिड़काव भी किया जा रहा है। नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों के कार्यों की सतत निगरानी रखने के लिये भी कहा गया है।

सेवा भारती महावीर मंडल द्वारा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम

भोपाल। सेवा भारती महावीर मंडल अंतर्गत गवर्नमेंट महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में आज करियर काउंसलिंग में दसवीं और बारहवीं की 50 बालिकाओ को विभिन्न कोर्स और करियर के विकल्पों के बारे सुश्री अनीता चौधरी ने विभिन्न शैक्षिक अवसरों और संभावित करियर पथों की विस्तृत जानकारी दी सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया महाविद्यालय की आकांक्षा गुप्ता और साघरानी सर ने भी इस सत्र में अपने विचार साझा कर प्रेरक प्रसंग बताएं की अवसर पर कल्पना जी,आशा लता, सुमित्रा मिश्रा, और रंजना सक्सेना दीदी इस विशेष अवसर पर महावीर मंडल आयाम प्रमुख श्रीमती अंजना श्रीवास्तव ने सभी सहयोगियों और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने बैरसिया तहसील में विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को बैरसिया तहसील में विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान श्री सिंह ने तहसील बैरसिया के ग्राम बर्रीछीरखेड़ा स्थित मुनि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज गौशाला पहुंचे और उसका निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने गौशाला की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से एवं व्यवस्थित रूप से चलता हुआ पाया। इसके अतिरिक्त कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ग्राम पंचायत जैतपुरा के ग्राम मुड़िया खेड़ा गांव पहुंचे, जहां पर उन्होंने जल गंगा संवर्धन योजना अंतर्गत बन रहे खेत तालाब का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा निर्माण कार्यों की सराहना की गई । कलेक्टर श्री सिंह के साथ बैरसिया एसडीम श्री आशुतोष शर्मा, सहायक यंत्री जनपद पंचायत बैरसिया ,संबंधित सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

गैस आपूर्ति बहाल हुई

भोपाल। थिंक गैस ने रामेश्वरम सोसायटी, बागसेवनिया, भोपाल में अपनी पाइपलाइन को तीसरे पक्ष द्वारा नुकसान पहुँचाने की घटना के बाद गैस आपूर्ति बहाल करने के लिए त्वरित कार्रवाई की। सूचना मिलने के बाद, थिंक गैस की टीम और आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन तुरंत उस स्थान पर पहुँचे। उन्होंने पाया कि यह क्षति सोसायटी द्वारा किए गए सीवर लाइन उत्खनन कार्य के दौरान हुई थी, जिसने अनजाने में स्ष्ठक्क्ल गैस पाइपलाइन को प्रभावित किया था। घटना की अप्रत्याशित प्रकृति के बावजूद, थिंक गैस की टीमों ने तेजी से क्षति को ठीक किया और गैस की आपूर्ति फिर से शुरू की, जिससे निवासियों को होने वाली असुविधा कम हुई।

थिंक गैस इस बात पर जोर देती है कि गैस पाइपलाइनों के पास कोई भी उत्खनन कार्य शुरू करने से पहले पूर्व सूचना देने पर ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है। बिना जानकारी के खुदाई करने से न केवल गैस की आपूर्ति बाधित होती है, बल्कि जान-माल की सुरक्षा को भी खतरा होता है। निवासियों और स्थानीय अधिकारियों से अनुरोध है कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि से पहले ञ्ज॥द्बठ्ठद्म त्नड्डह्य को सूचित करें ताकि सेवा की सुरक्षा और निरंतरता सुनिश्चित हो सके।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार करें: संभागायुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संभागायुक्त संजीव सिंह ने शुक्रवार को ग्राम बरखेड़ी अब्दुल्ला, बालमपुर, सूखीसेवनिया का निरीक्षण कर विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री सिंह ग्राम बरखेड़ी अब्दुल्ला में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित वैज्ञानिक कृषक संवाद का में शामिल हुए। संवाद में वैज्ञानिक श्री एम पी सिंह, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. सुबीर चक्रवर्ती ने कृषकों को उन्नत तकनीक एवं उर्वरकों की जानकारी प्रदान की। श्री सिंह ने सभी कृषकों को उन्नत खेती के जानकारी प्रदान कर नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग, हैप्पी सीडर के उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

गौशालाओं में पानी, बिजली आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने ग्राम बरखेड़ी अब्दुल्ला में जीवदया गौशाला एवं निर्माणाधीन सुरभि गौशाला का निरीक्षण किया एवं निर्देश दिए कि गौशाला में पर्याप्त पानी, बिजली आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। श्री सिंह ने जीवदया गौशाला के संचालक श्री रामदयाल नागर से गौशाला की क्षमता, कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली,पानी, बिजली की उपलब्धता की जानकारी ली। श्री सिंह ने निर्माणाधीन सुरभि गौ9शाला का निरीक्षण कर समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बरखेड़ी अब्दुल्ला में श्री दयोदय ऊर्जा एवं जैविक खाद प्राइवेट लिमिटेड बायोगैस प्लांट का निरीक्षण किया। श्री अक्षय जैन द्वारा जैव कचरे से बायोगैस बनाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। संभागायुक्त संजीव सिंह ने ग्राम बालमपुर के कृषक श्री नारायण पिता सीताराम सिंह के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वनाधिकार पट्टेधारियों के निर्माणाधीन खेत तालाब का निरीक्षण किया। कृषक श्री नारायण पिता सीताराम सिंह द्वारा बताया गया कि खेत तालाब में 4 लाख लीटर पानी का संचय एवं वाटर रिचार्ज किया जाता है। श्री सिंह ने ग्राम बालमपुर में कृषक श्री बदर आलम के खेत का निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा की जा रही प्रगतिशील गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए अधिक से अधिक कृषकों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त संजीव सिंह ने ग्राम सूखीसेवनिया में पीएमएफएम ई-योजना के अंतर्गत श्री सुनील जैन के नमन गोल्ड फ्लोर मिल का निरीक्षण किया। श्री जैन ने बताया कि योजना के लाभ के बाद छोटे से उद्योग से मिल बनाने का सहयोग प्राप्त हुआ है। श्री सिंह ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर सभी उद्यमियों को लाभ प्रदान करें।

25 वर्षों से पर्यावरण बचाने की अनोखी मुहिम, प्लास्टिक- पटाखों से भी दूरी बनाने का दे रहे संदेश

भोपाल। राजधानी भोपाल के बागमुगालिया एक्सटेंशन में रहने वाले उमाशंकर तिवारी पिछले 25 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मुहिम चला रहे हैं। उन्होंने केवल पौधारोपण तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग, पटाखों के प्रयोग, बिजली-पानी की बर्बादी और कचरा प्रबंधन तक अपने प्रयासों को व्यापक रूप दिया है। इसे लेकर समाज को जागृत करने के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। वर्ष 2000 में बागमुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में जब उमाशंकर तिवारी ने रहना शुरू किया, तब यहां हरियाली नहीं के बराबर थी। चट्टानी जमीन पर उन्होंने पौधारोपण की शुरुआत की और संकल्प लिया कि हर पौधे को पेड़ बनने तक पालेंगे। उन्होंने पीपल, नीम, बरगद, आम, जामुन जैसे पेड़ों को ट्री गार्ड के साथ सुरक्षित किया। आज भोपाल के कई हिस्सों में उनके द्वारा लगाए गए पौधे घनी छाया दे रहे हैं। हाल में एक पेड़ को काटने को हत्या बता वह एफआईआर लिखाने थाने भी पहुंचे। अपने अनोखे अंदाज से उमाशंकर तिवारी पर्यावरण बचाने का बड़ा संदेश दे रहे हैं।

उमाशंकर तिवारी ने 2003 से पटाखों का पूरी तरह से बहिष्कार किया। उनका मानना है कि जब हम पर्यावरण की रक्षा की बात करते हैं, तो हमें प्रदूषण फैलाने वाले हर साधन से भी दूरी बनानी चाहिए। उन्होंने न केवल प्लास्टिक के थैलों का उपयोग बंद किया, बल्कि 15 साल से सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ एक सामाजिक अभियान चला रहे हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि किसी भी शादी या सार्वजनिक समारोह में यदि प्लास्टिक की कटोरी, चम्मच या पानी की बोतलें इस्तेमाल हो रही हों, तो वे और उनका परिवार वहाँ भोजन नहीं करते। यह उनके संकल्प और जागरूकता का प्रतीक है। तिवारी सिर्फ घर तक सीमित नहीं हैं। वे कॉलोनी, आसपास के क्षेत्र और सरकारी दफ्तरों में भी बिजली और पानी की बर्बादी रोकने का अभियान लगातार चलाते हैं। जहां कहीं भी पानी टपकता है या स्ट्रीट लाइट दिन में जल रही होती है, वहां वे तुरंत संबंधित विभाग को सूचित कर सुधार करवाते हैं।

हमीदिया अस्पताल में अस्पताल में टेलीमेडिसिन सेंटर शुरू

भोपाल। अब छोटी बीमारियां होने पर मरीजों को राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में लाइन लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें घर बैठे हमीदिया के विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श फोन पर मिल पाएगा। हमीदिया में टेलीमेडिसिन सेंटर शुरू किया गया है। इस केंद्र से मरीजों को घर बैठे विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श मिल पाएगा।

विक्रांत मैसी ने बताया क्यों खास है सम्राट पृथ्वीराज चौहान की कहानी

इतिहास के पास हमें बताने को बहुत कुछ है कि हमने क्या-क्या झेला है। भले ही किताबों और दूसरी तरह के ज्ञान के ज़रिए लोग अतीत के बारे में जानते हैं, लेकिन सोनी के शो 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का एक प्रोमो देखकर एक्टर विक्रांत मैसी को हमारे इतिहास के बारे में खुलकर बताने के लिए प्रेरणा मिली।

विक्रांत मैसी टीवी इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने बालिका वधू में खास किरदार निभाया और खूब लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में कदम रखा और 12वीं फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों से दमदार अभिनय किया। हाल ही में, उन्होंने चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान शो के प्रोमो को देखकर हमारे इतिहास पर अपनी सोच साझा की। दिलचस्प बात ये है कि शो भी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की ज़िंदगी के एक बेहद अहम पहलू को सामने लाता है। इसपर अपनी राय रखते हुए विक्रांत मैसी कहते हैं, ÷कम लोग जानते हैं कि इतिहास मेरा फेवरेट सब्जेक्ट रहा है। मैं आज भी यूं ही किताबें पढ़ता हूं क्योंकि आज को समझने के लिए बीते हुए कल को समझना बहुत ज़रूरी है। हाल ही में मैंने सोनी टीवी के आने वाले शो का प्रोमो देखा तो मन में एक बात आई। कौन कहता है कि पृथ्वीराज चौहान मोहम्मद गौरी से हार गया? पृथ्वीराज चौहान ने बार-बार गौरी को युद्ध में हराया और बार-बार माफ़ किया। जब एक बार गौरी ने छल से बाज़ी जीती, उसने पृथ्वीराज को क़ैद कर लिया, उनकी आंखें निकलवा लीं और जानवरों जैसी मौत दी। आगे वह कहते हैं, ÷लेकिन किताबें कहती हैं और हमारा पड़ोसी देश सोचता है कि पृथ्वीराज हार गया। ये ग़लत है – पृथ्वीराज हारा नहीं। देश, समाज, सभ्यता – एक घटना और एक युद्ध से बनते या बिगड़ते नहीं हैं। सदियों और कभी कभी हज़ारों साल लग जाते हैं इन फ़ैसलों में। आज, लगभग 1000 साल बाद भी, पृथ्वीराज चौहान की जन्मभूमि आबाद है। दिल्ली, अजमेर और पूरा हिंदुस्तान खुशहाल है, तरक़्क़ी कर रहा है। वहीं, मोहम्मद गौरी का घोर, पूरे संसार में सबसे पिछड़ा इलाक़ा बन गया है। आखिर में वह कहते हैं, ÷पृथ्वीराज आज भी आबाद हैं। हमें उन पर गर्व है। लेकिन मोहम्मद गौरी का नाम लेने वाला आज उनके देश में कोई नहीं है।विक्रांत मैसी ने सच में सम्राट पृथ्वीराज चौहान के इतिहास को गहराई से महसूस किया है। सोनी टीवी और सोनी स्ड्डक्व पर आने वाला शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान उनके जीवन के एक अहम अध्याय को सामने लाता है, जो भारत के सबसे वीर योद्धा-राजाओं में से एक को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। यह शो दर्शकों के लिए एक रोमांचक अनुभव बनकर आया है, जो हर सोमवार से शुक्रवार, रात 7¬30 बजे प्रसारित होता है। यह सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करता, बल्कि हमारे इतिहास की जानकारी भी साथ लेकर आता है।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की मिलेगी छूट

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी को छोड़कर की जाएगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट निम्नदाब उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय (सोलर ऑवर) के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी।घरेलू और गैर घरेलू सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट श्रेणी के उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी तरह गैर-घरेलू और निम्नदाब के औद्योगिक उपभोक्ताओं, आटा चक्की आदि को सौर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड, अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड, अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

सांदीपनी स्कूल एवं नवोदय विद्यालय के स्थापित होने से शिक्षा के नए कीर्तिमान बनेंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सांदीपनी और जवाहर नवोदय विद्यालय भवन का किया लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

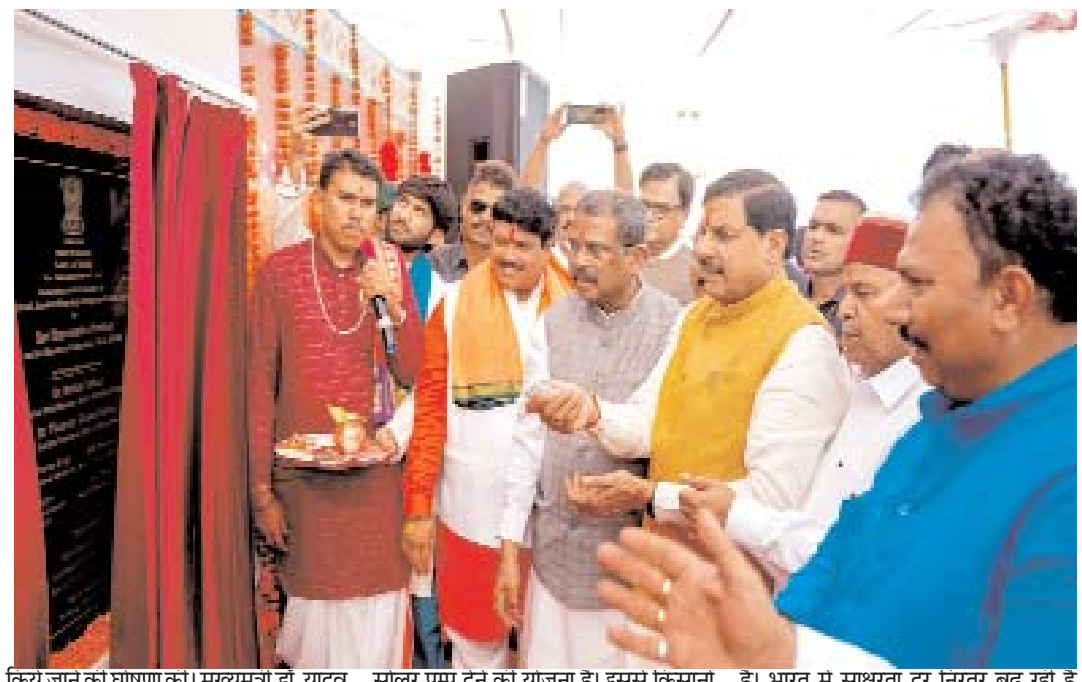

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र मे उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। रतलाम के आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टॉफ क्वार्टरो तथा 35 करोड़ 11 लाख की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वी एवं 12वी बोर्ड परीक्षा के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रर्दशन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जवाहर नवोदय विद्यालय से मुख्य मार्ग से जोडने वाली सड़क का निर्माण किये जाने की घोषणा की। मुख्यमत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैं। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। मध्यप्रदेश मे लगभग 55 लाख हैक्टेयर में सिंचाई हो रही है। किसानों को विद्युत के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पम्प देने की योजना है। इससे किसानों को बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे है। मध्यप्रदेश देश में पर्यटन के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर आ गया है। आलोट में क्षिप्रा-चंबल नदी संगम स्थल पर पर्यटन का विकास किया जाएगा।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि यह नवोदय विद्यालय रतलाम में दूसरा है, पहला विद्यालय कालूखेड़ा में स्थित है। नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं। शिक्षा ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। भारत मे साक्षरता दर निरतर बढ़ रही है, जिसमें नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। लगभग 1 करोड़ 53 लाख बच्चे मध्यप्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। राज्य एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से इन विद्यालयों में एआई की पढ़ाई भी प्रारंभ की गई है। स्कूल समाज को मजबूत बनाते है। मध्यप्रदेश की नई पीढ़ी को सशक्त कर प्रदेश को विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री चेतन्य काश्यप, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक आलोट डॉ. चिंतामणि मालवीय उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री एवं अतिथियों का स्वागत पारंपरिक पगड़ी, शॉल एवं पारंपरिक पेन्टिग भेंट कर किया गया।

मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में सर्व-सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है, जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से पहचाने जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है।

सांदीपनि विद्यालय आलोट में आसपास के 1600 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेंगे, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषय-वार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष फोकस, 35 कार्यों का औचक निरीक्षण

8 से 10 जून तक चलेगा विशेष निरीक्षण अभियान

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर विभाग के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा औचक निरीक्षण की एक कार्ययोजना के अंतर्गत हर माह में दो दिन अचानक चयनित कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे। इसी श्रृंखला में प्रदेश के रायसेन, खरगौन, सीधी, देवास, छतरपुर, सिवनी एवं दतिया जिलों में 4 जून को मुख्य अभियंताओं के सात निरीक्षण दलों द्वारा 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। इनमें से 14 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 9 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 7 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, 3 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम तथा 2 कार्य एन.एच. के सम्मिलित थे।

निरीक्षण दलों से प्राप्त रिपोर्ट की समीक्षा बैठक प्रबंध संचालक म.प्र. सड़क विकास निगम श्री भरत यादव की अध्यक्षता मे हुई। इस दौरान प्रमुख अभियंता (बी.एंड.आर) श्री के.पी.एस. राणा,प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल,प्रमुख अभियंता (भवन विकास निगम) श्री अनिल श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार, म.प्र. सड़क विकास निगम श्री आर.के. मेहरा,उप सचिव लोक निर्माण विभाग श्री ए.आर. सिंह,समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा में तीन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता असंतोषजनक पाई गई। सीधी जिले में सीधी-सिंगरौली मार्ग पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब होने के कारण ठेकेदार मेसर्स तिरुपति बिल्कॉन प्रा. लि. शहडोल के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। दतिया जिले में पीडब्ल्यूडी बिल्डिंग निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर ठेकेदार मेसर्स अनिरुद्ध सिंह सेंगर के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। इसी जिले में सेमई से मार पाहड़िया होते हुए चिरहोली मार्ग का कार्य भी असंतोषजनक पाया गया, जिसके लिए ठेकेदार मेसर्स तिवारी कंस्ट्रक्शन, राजस्थान के विरुद्ध कार्रवाई के संबंधित मुख्य अभियंता को निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, कुछ कार्यों की गुणवत्ता सराहनीय पाई गई। देवास जिले में पी.आई.यू. के अंतर्गत सिनियर कन्या छात्रावास उदयनगर का कार्य परफॉर्मेंस अवधि में उत्कृष्ट पाया गया, जिसके लिए कार्यपालन यंत्री श्रीमती सीमा प्रभाकर, अनुविभागीय अधिकारी श्री एस.के. कानूनगो, श्री एस.पी. दोहरे और ठेकेदार श्री अशोक अहिवार की प्रशंसा की गई। इसी प्रकार छतरपुर जिले में मातगुवा-बिजावर रोड का कार्य बहुत अच्छा पाया गया, जिसके लिए कार्यपालन यंत्री श्री आर.एस. शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी, उपयंत्री और ठेकेदार मेसर्स रामराजा कंस्ट्रक्शन कंपनी, पृथ्वीपुर की प्रशंसा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में लोक निर्माण विभाग अंतर्गत मार्गों को वर्षा ऋतु से पूर्व अच्छी स्थिति में लाने हेतु 3 दिवसीय विशेष अभियान दिनांक 8 से 10 जून तक चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत लोकपथ मोबाइल एप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

प्रदेश में कोरोना केस को लेकर स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट, ग्वालियर में 3 डॉक्टर आए पॉजिटिव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में लगातार बढ़ रहे कोरोना केस को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग के पीएस संदीप यादव ने शुक्रवार को सांस संबंधी बीमारियां बढ़ने के चलते सभी जिला कलेक्टर, डीन मेडिकल कॉलेज, सीएमएचओ और सिविल सर्जन को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए हैं।

50 से ज्यादा हुए केसः मध्यप्रदेश में कोरोना की एंट्री साउथ इंडिया से हुई है, पहला केस 23 मई को सामने आया था। इसके बाद से लगातार कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। अधिकांश शुरुआती मामलों में मरीजों की केरल और बेंगलुरु की ट्रैवल हिस्ट्री पाई गई है। अब तक के 50 मामलों में से लगभग 40त्न मरीज अन्य राज्यों से लौटे थे या बाहर से आए संक्रमित के संपर्क में आए थे।ग्वालियर तीन डॉक्टर कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। बताया गया कि 1 मई को एक डेंगू मरीज की मौत हुई थी, जिनका इलाज करने वाले डॉक्टर अब कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इसे संभावित क्लस्टर ट्रांसमिशन मानते हुए सैंपलिंग तेज करने के निर्देश दिए है। ग्वालियर शहर मे अब तक पाच एक्टिव कोविड मरीज मिल चुके हैं, जिनमें एक युवती दिल्ली से लौटने के बाद संक्रमित पाई गई।

भोपाल में नौ मामले, चार एक्टिव केस

भोपाल में भी कोविड-19 की वापसी दर्ज की गई है। 1 अप्रैल से 5 जून तक कुल 9 केस सामने आए हैं, जिनमें से 5 ठीक हो चुके हैं और 4 अभी एक्टिव केस हैं। इनमें से एक मरीज अन्य बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती है जबकि बाकी तीन स्पशोन्मुख यानी बिना लक्षण के है, जिन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने जिलों को किया अलर्ट

स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों वाले मरीजों की 5 प्रतिशत सैंपलिंग अनिवार्य की है। साथ ही होल जीनोमिक सीक्वेंसिंग कराने के निर्देश भी दिए हैं। पीएस संदीप यादव ने सभी जिला कलेक्टरों, मेडिकल कॉलेज डीन और सीएमएचओ को इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयारियों की समीक्षा के लिए कहा है।

ऑक्सीजन, दवाएं और पीपीई किट्स की कमी न हो

स्वास्थ्य संस्थानों को कहा गया है कि वे ऑक्सीजन प्लांट, ढ्ढष्ट-बेड्स, दवाएं, ब्लड किट्स जैसी मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। मॉक ड्रिल्स भी कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी इमरजेंसी में समय रहते कार्रवाई हो सके।

देश में तेजी से फैल रहा कोरोना

देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, पिछले 20 दिनों में केसों की संख्या में 58 गुना की बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में देशभर में 5364 एक्टिव केस हैं, जो 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गए हैं। बीते 24 घंटे में 500 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें केरल में सबसे ज्यादा 1679 मामले हैं। नए वैरिएंट्स से जनवरी से अब तक 55 मौतें हो चुकी हैं, जिनमें से अधिकांश मौतें हाल के दिनों में हुई हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने देवश्री फ़िल्म एंड टीवी इंस्टीट्यूट के कार्यालय का किया शुभारंभ

स्थानीय प्रतिभाओं और क्षेत्रीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा महत्वपूर्ण पहल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुक्रवार को मानसरोवर स्थित देव श्री फ़िल्म एंड टीवी इंस्टीट्यूट के कार्यालय का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संस्थान की स्थापना को स्थानीय प्रतिभाओं के प्रोत्साहन और क्षेत्रीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

अंचल में कला, संगीत, अभिनय, निर्देशन को उचित मंच देने कार्य करेगा संस्थान : उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश, विशेष रूप से भोपाल और उसके आस-पास के अंचल में कला, संगीत, अभिनय, निर्देशन और तकनीकी दक्षता से परिपूर्ण प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है तो उन्हें उचित मंच देने की। उन्होंने कहा कि देव श्री फ़िल्म एंड इंस्टीट्यूट इस दिशा में एक सशक्त भूमिका निभा सकता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज का युग संचार, सिनेमा और डिजिटल मीडिया का है, जिसमें क्षेत्रीय भाषाएँ, लोकसंस्कृति और पारंपरिक कलाएं भी वैश्विक मंच पर पहुँच रही हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह संस्थान मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक मूल्यों को फिल्म और मीडिया के माध्यम से उजागर करेगा, जिससे न केवल राज्य की पहचान मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और पहचान के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संस्थान के संस्थापक विक्रम सिंह गुर्जर, संचालक निर्देशक विनोद तिवारी को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र शर्मा, सुनील पाण्डे, यूट्यूब पर बहु चर्चित फिल्म बेटी एक वरदान के निर्देशक मनु यादव, फिल्म जंजाल के निर्देशक दिनेश गुर्जर सहित सांस्कृतिक, मीडिया और शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

विश्व अभिलेख दिवस पर होगी अभिलेखों से संवाद की पहल

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा दिनांक 9 जून 2025, सोमवार को विश्व अभिलेख दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम ÷इतिहास की धरोहर÷ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन प्रातः 11ः00 बजे भोपाल स्थित राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स में संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ उर्मिला शुक्ला, सचिव संस्कृति एवं आयुक्त पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार, शोधकर्ता, अभिलेखविद, विद्यार्थी, एवं अभिलेख संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को अभिलेखों के महत्व, उनके संरक्षण एवं शोध कार्यों में उनकी उपयोगिता से परिचित कराना है। इस दौरान राज्य के अभिलेखागार में संचित 6.88 करोड़ अभिलेखों से अधिक ऐतिहासिक दस्तावेजों में से चयनित अति महत्वपूर्ण अभिलेखों पर आधारित एक प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मध्यभारत एवं सेंट्रल प्रॉविंसेस की ऐतिहासिक रियासतों से संबंधित अभिलेख प्रदर्शित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश राज्य अभिलेखागार द्वारा वर्षों से इन ऐतिहासिक दस्तावेजों का संरक्षण, डिजिटलीकरण एवं शोधार्थियों को उपलब्धता सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे दस्तावेज प्रशासनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ÷अभिलेखीय यात्रा÷ कार्यक्रम अतीत की विरासत और वर्तमान की जागरूकता के बीच संवाद का एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस के प्रकरणों में मौसमी वृद्धि के दृष्टिगत सतर्कता बरतने व हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर तैयारी के निर्देश

भोपाल। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव ने एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस के प्रकरणों में मौसमी वृद्धि के दृष्टिगत प्रदेश के समस्त जिलों के कलेक्टर, डीन मेडिकल कॉलेज, सीएमएचओ और सिविल सर्जन को इन्पेशेंट केयर इंस्टिट्यूशन्स की तैयारी की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। ज़ारी आदेश में यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सभी डायग्नॉस्टिक फैसिलिटीज़, आवश्यक दवाएं, पीपीई किट्स, आईसोलेशन बेड्स, मेडिकल ऑक्सीजन, आईसीयू तथा वेंटिलेटर सपोर्टेड बेड्स की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। साथ ही पीएसए प्लांट्स की कार्यशीलता सुनिश्चित करने के लिए मॉक ड्रिल्स कराई जाए। कोविड-19 की रोकथाम के मॉडिफाइड सर्विलांस स्ट्रैटेजी अनुसार एसएआरआई मामलों और न्यूनतम 5त्न आईएलआई मामलों के सैम्पल्स की टेस्टिंग की जाए। कोविड पॉज़िटिव पाए गए एसएआरआई पेशेंट्स के सैम्पल्स को होल जीनोमिक सीक्वेंसिंग के लिए क्षेत्रीय वीआरडीएल सेंटर्स को भेजे जाने के निर्देश हैं। जिला स्तर पर कार्यरत डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस यूनिट्स को अपने क्षेत्रों में आईएलआई / एसएआरआई ट्रेंड्स पर करीबी निगरानी रखने और एसएआरआई केस रेश्यो की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया है। निर्देश दिए गए हैं कि सभी कोविड-19 संबंधित डेटा, जिसमें को-मॉर्बिडिटीज़ की जानकारी भी सम्मिलित हो, आईडीएसपी-आईएचआईपी पोर्टल पर नियमित रूप से दर्ज किया जाए। सभी सूचनाएं स्टेट सर्विलांस यूनिट को भेजी जाएं और सार्थक पोर्टल पर भी अपलोड किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सामुदायिक स्तर पर कोविड उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता गतिविधियों के संचालन के निर्देश दिए गए हैं। इसमें हाथ धोने की आदत, रेस्पिरेटरी हाइजीन, खाँसते/छींकते समय मुँह ढकना, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकना आदि व्यवहार शामिल हों। वरिष्ठ-जन, को-मॉर्बिड एवं इम्यूनो-कम्प्रोमाइज़्ड व्यक्तियों को कम हवादार या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से बचने और ऐसे क्षेत्रों में फेस मास्क्स का प्रयोग करने के लिए कहा गया है।

एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊंचाईयों पर ले जाने और संभाव्य क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास : काश्यप

विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित

भोपाल। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए नई नीतियों के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और संभाव्य क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास हो रहें है। मंत्री श्री काश्यप आज मंत्रालय वल्लभ भवन में विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि गत वित्त वर्ष में विभाग का बजट 700 करोड़ रूपये का था, लेकिन मुख्यमंत्री के सहयोग से विभाग को 2100 करोड़ रुपये मिले, जिससे अनुदान सहायता की सभी लंबित देनदारियों का भुगतान संभव हो पाया।

नव उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए नई स्टार्ट अप नीति में उद्योग लगाने का विचार आने से लेकर उसे धरातल पर उतारने तक उद्यमियों को वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीयन स्वीकृत होने पर नव उद्यमी को 10,000 रूपये प्रतिमाह की सहायता एक साल तक उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। यही नहीं माल निर्यात हेतु परिवहन व्यय पर अनुदान का प्रावधान भी किया गया है। प्रदेश में नए औद्योगिक क्षेत्रों/क्लस्टरों के निर्माण और विकास के प्रयासों में तेजी लाई गई है। इन पर मिलने वाले अनुदान का युक्तियुक्तकरण किया गया है, जिससे अनुदान में एकरूपता आई है। जबलपुर के रेडीमेड गारमेंट और छतरपुर के फर्नीचर क्लस्टर का उल्लेख करते हुए श्री काश्यप ने कहा कि वर्तमान में केन्द्र सरकार से वर्तमान क्लस्टरों में कॉमन फासीलटेशन सेंटर को जो सहायता मिलती है, वह संभावना वाले क्लस्टरों को नहीं मिलती है। हम प्रयास कर रहे हैं कि संभावना वाले क्लस्टरों को भी यह सुविधा मिल सके।

खिलौना उद्योग के क्षेत्र में उन्होंने आक्रामकता और हिन्सक प्रवृत्ति को वढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को हतोत्साहित कर सकारात्मक रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। सामाजिक सुधार के लिए यह जरूरी है। बैठक में यह विषय पूर्व मंत्री श्री ओम प्रकाश सखलेचा ने उठाया, उनका यह कहना था कि बच्चों में आक्रामकता फैलाने वाले खिलौनों के कारण हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है। श्री सखलेचा ने विभागीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए श्री काश्यप और अधिकारियों को बधाई दी। बैठक में देवास की विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार भी उपस्थित थीं। मंत्री श्री काश्यप के उद्बोधन से पूर्व एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह और सचिव दिलीप कुमार ने विभागीय उपलब्धियों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर प्रजेन्टेशन दिया।

संपादकीय

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है।

लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये।

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस

खाद्य पदार्थ के उत्पादन एवं संरक्षण की रासायनिक विधि कैंसर , ट्यूमर और दूसरे घातक रोगों का प्रमुख कारण

– योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षों से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर योग साधकों को विशेष कोई बीमारी का कारण, उपचार, लक्षण एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा से कैसे स्वस्थ हो सकते है बताया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि

8 जून को पूरा विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस मनाता है। ब्रेन ट्यूमर जैसी समस्या दिन-ब-दिन विश्व में बढ़ती ही जा रही है। ऐसे लोग जो रेडिएशन के संपर्क में अधिक रहते हैं और धूमपान अधिक करते हैं, ऐसे लोगों को ब्रेन ट्यूमर का बहुत ज्यादा खतरा होता है, इन्हीं लोगों को सचेत करने के लिए इस दिन का आयोजन किया जाता है। जो लोग इस बीमारी से जूझ रहे होते हैं और इलाज कराने में असक्षम होते हैं उनकी सहायता की जाती है। ब्रेन ट्यूमर अनुवांशिक भी हो सकता है इसलिए इसके प्रति समय रहते सावधान हो जाना बहुत जरूरी है, ब्रेन ट्यूमर खतरनाक बीमारी है परंतु इसका योग में अच्छा इलाज भी है।दरअसल यह सिर्फ मस्तिष्क को ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर को प्रभावित करती है क्योंकि मस्तिष्क ही पूरे शरीर को संचालित करता है। ब्रेन ट्यूमर की समस्या होने पर मस्तिष्क में कोशिकाओं का जमाव हो जाता है। कोशिकाओं के अनियंत्रित रूप से बढ़ने और जमने के कारण ट्यूमर जानलेवा हो जाता है।

योग गुरु अग्रवाल नें इस अवसर पर कुछ ऐसे योगासनों के बारे में बताया जिसके अभ्यास से ब्रेन ट्यूमर के खतरे को कम किया जा सकता है।

अनुलोम– विलोम और कपालभाती प्राणायाम - ब्रेन ट्यूमर के मरीज अगर सुबह-शाम एक-एक घंटा अनुलोम-विलोम और कपालभाती करें तो निश्चित तौर पर छह माह में बीमारी ठीक हो सकती है। लेकिन यह लगातार करना होगा।

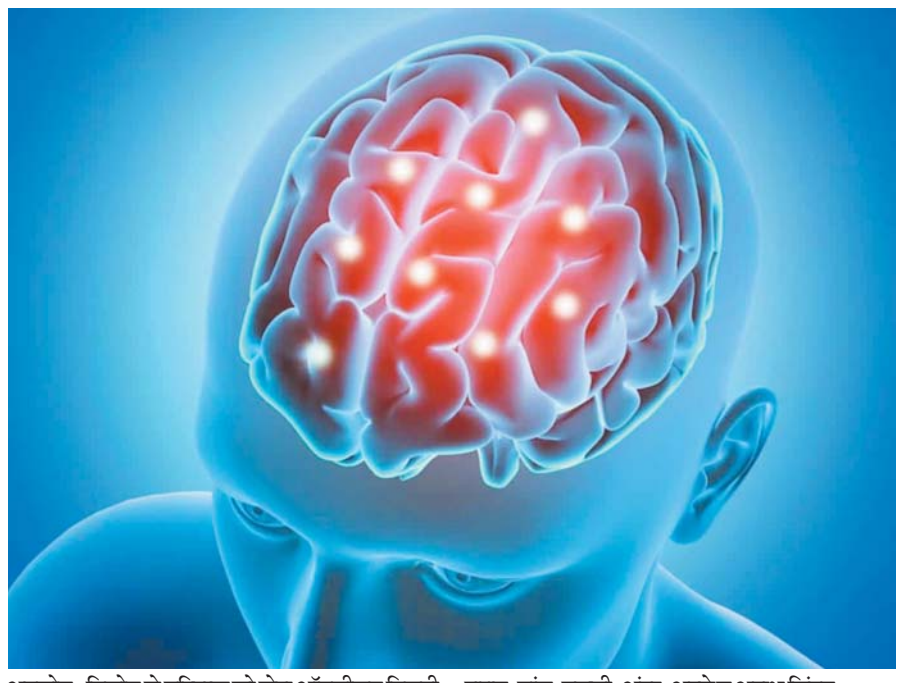

अनुलोम- विलोम से मस्तिष्क को फ्रेश ऑक्सीजन मिलती है। वहीं, कपालभाती की गर्मी गांठों को तोड़ देती है। इससे नौ माह में तो पूरे शरीर का रूपांतरण हो जाता है।

वज्रासन – यह आसन हृदयगति को नियंत्रित रखता है और स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' को घटाकर तनाव कम करता है। इसके अभ्यास से जांघों और पिंडलियों की नसें-मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, पीठ और पैर दर्द में आराम मिलता है।

ताड़ासन – ताड़ासन हमारे शरीर की मांसपेशियों को लचीला बनाता है। इस आसन के दौरान गहरी सांस लेने के कारण फेफड़ा फैलता है और इसकी सफाई हो जाती है। ताड़ासन करने से एक्रागता बनी रहती है। यही नहीं, इस आसन को करने से श्वास सतुंलित रहती है।

प्राकृतिक चिकित्सा – उपवास, एनिमा, धूपस्नान, कटि- स्नान, पेट पर मिट्टी-पट्टी, सूती-ऊनी लपेट, शवासन व शुभ चिंतन

मुख्य औषधीय उपचार – लहसुन, गेहूँ के जवारे का रस, गाजर- बीट रस, आँवला, बंदगोभी, फायबर खाद्य, अदरक, प्याज, अंगूर, विटामिन %ए% एवं %सी% युक्त आहार

मुख्य परहेज - बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू, गुटखा, शराब, मांस-मछली, अंगूर, अण्डे व अशुभ चिंतन

ब्रेन ट्यूमर – हमारे मस्तिष्क में अचानक ही असामान्य कोशिकाओं का बढ़ना ब्रेन ट्यूमर कहलता है। ब्रेन ट्यूमर कई प्रकार के होते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर के साथ होते हैं, जो कि बहुत खतरनाक होते हैं और कुछ साधारण होते हैं। ब्रेन ट्यूमर की शुरुआत मस्तिष्क से शुरू होता है, वहीं कैंसर शरीर के अन्य भागों से शुरू होते हुए हमारे दिमाग तक फैल सकता है। सही समय पर इसकी जानकारी होना बहुत आवश्यक है।

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में ब्रेन ट्यूमर के प्रति जागरूकता फैलाना है। ब्रेन ट्यूमर की घातक स्थिति की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है जो कि आगे चलकर अक्सर मस्तिष्क कैंसर का कारण बनती है। यह महत्वपूर्ण है कि अधिक से अधिक लोग बीमारी के लक्षणों, उपचार और तथ्यों के बारे में जानें तभी वे इस रोग से बच सकते हैं नहीं तो दिन-ब-दिन यह रोग और भी गंभीर होता जाता है और मनुष्य की जान तक बचाना तक मुश्किल हो जाता है।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण – ब्रेन ट्यूमर होने पर आम लक्षण जो शरीर में दिखाई देते हैं उनमें धीरे- धीरे सिरदर्द का बढ़ना, घबराहट या उल्टी, धुंधली दृष्टि, दोहरी दृष्टि या दृष्टि की हानि, रोजमर्रा के मामलों में उलझन, व्यवहार में बदलाव, बोलने और सुनने में कठिनाई आदि लक्षण आम हैं।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि कैंसर के कारणों में एक है- दवाओं का प्रयोग। विभिन्न दवाओं के रासायनिक तत्त्व अनुमान से परे होते हैं। सेवन करने के बाद से कई वर्षों तक वे रक्त तंतुओं में विद्यमान रहते हैं। आधुनिक दवाइयाँ मिश्रित कृत्रिम रसायन विधि से तैयार होती हैं। ये कृत्रिम, अप्राकृतिक दवायें व्यापारिक उद्देश्य से बिक्री के लिये बनाई जाती है। कई तरह से उनकी जाँच होती है और अच्छे सकारात्मक परिणाम देने वाली दवायें बाजार में बिकने आती हैं। लेकिन उन दवाओं का सुदूरगामी प्रभाव अभी तक डॉक्टरों को मालूम नहीं पड़ा है। इसलिये प्राणान्तक दुर्घटनाएँ हो रही हैं और आजकल इस कैंसर त्रासदी का भी यही कारण हो सकता है। आधुनिक दवाओं के अतिरिक्त एक और भयंकर स्वास्थ्य संकट पैदा हो गया है। इस सदी में कैंसर रोग को गति देने में दवाओं के साथ समानान्तर काम कर रहा है आज का रासायनिक विधि से उत्पन्न भोजन। कितने प्रकार की रासायनिक चीजें - नाइट्रोसल्फेट, नाइट्रोफास्फेट वगैरह उपयोग में लाते हैं। कौन जाने, हमारे शरीर पर उनका क्या असर हो रहा है। अधिक खाद्य सामग्री बेचने और लाभ कमाने की दृष्टि से ये रासायनिक उत्पादनकर्ता बेतहाशा इन रासायनिक उर्वरकों का उत्पादन किये जा रहे हैं। शायद हर कोई दवाइयाँ न खाता हो, मगर भोजन तो वह खाता ही है। हम सब लोग अबोध रूप में इसके शिकार हो रहे हैं। खाद्य पदार्थ संरक्षण की रासायनिक विधि एक दूसरा घातक तथ्य है। ये परिरक्षित चीजें जानवरों पर किये खोज कार्यों के आधार पर कैंसर, ट्यूमर और दूसरे घातक रोगों की कारण सिद्ध हुई हैं। उनके सेवन से देह का तापमान गिर जाता है और कैंसर और ट्यूमर हो सकते हैं। कैंसर और ट्यूमर शीत रोग के अन्तर्गत आते हैं, जो तभी आक्रमण करते हैं और बढ़ते हैं, जबकि शरीर का तापमान एक खास सीमा तक नीचे गिर जाता है। कैंसर के लिये और दूसरी चीजें भी कारण हैं जैसे आधुनिक मुर्गी पालन केन्द्र में अधिक अण्डे देने के लिये मुर्गियों को इन्जेक्शन लगाते हैं, जिनमें कई कृत्रिम हार्मोन होते हैं। कैंसर विशेषज्ञों के अनुसार कैंसर की आरंभिक वृद्धि बहुत अचानक और अज्ञात रूप से होती हैं। यह इतनी अदृश्य और अज्ञात प्रक्रिया है कि अच्छी मशीनें भी उन्हें नहीं जान पाती हैं। वैज्ञानिकों ने डी.एन.ए. अणुओं का पता लगा लिया, लेकिन कैंसर को नहीं जाना है। कैंसर के विकास की प्रक्रिया जब सुव्यवस्थित और पूर्ण संगठित हो जाती है, शरीर जब पूरा शिकार बन चुकता है, तब वैज्ञानिक लोग घोषित कर पाते हैं कि कैंसर हो गया।

देश के गुरुर पर , राजनीति का नासूर

सरयूसुत मिश्रा

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को ही करारा सबक नहीं दिया है बल्कि भारत को भी कई सबक सिखा दिए हैं. सर्वदलीय प्रतिदिन मंडल एकजुट राष्ट्र पेश कर रहे हैं तो देश की राजनीति इस पर बंटी हुई है. यहां तक की एक ही दल के नेता बंटे हुए दिखाई पड़ रहे हैं.. !!

सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस के सांसद शशि थरूर की हो रही है. ऑपरेशन सिंदूर पर, ऑपरेशन थरूर दूरगामी असर डालेगा. जो बीजेपी थरूर की आलोचना करती थी, वह उनके पक्ष में खड़ी हो गई है तो कांग्रेस अपने ही नेता के खिलाफ रुख दिखा रही है.

प्रतिनिधिमंडल में सभी दलों के नेता गए हैं. यह सारे नेता विदेश की धरती पर भारत का डंका बज़ा रहे हैं. पाकिस्तान को एक्सपोज कर रहे हैं. आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की भारतीय नीति को स्थापित कर रहे हैं. भारत की इस कूटनीति पर आमतौर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया हो रही है. यहां तक कि, थरूर के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल द्वारा पक्ष रखने के बाद कोलंबिया सरकार ने पाकिस्तान के पक्ष में दिए गए अपने स्टेटमेंट को वापस ले लिया है. सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश में तो भारत के लिए काम कर रहें हैं, लेकिन इसकी शुरुआत में ही अंदरूनी राजनीति में विवाद चालू हो गए हैं. बीजेपी सरकार ने कांग्रेस से नाम मांगे. कांग्रेस से जो नाम दिए गए उनको छोड़कर शशि थरूर, मनीष तिवारी और सलमान खुर्शीद को चुन लिया गया. उस लिस्ट से केवल आनंद शर्मा का नाम ही लिया गया. यही से विवाद शुरू हुआ.

ममता बनर्जी ने भी अभिषेक बनर्जी का नाम शामिल कराया. विश्व में जिन नेताओं की चर्चा हो रही है उनमें सबसे चर्चित असदुद्दीन ओवैसी है. वैसे तो शशि थरूर और सलमान खुर्शीद सहित कांग्रेस के चारों नेता अपने स्टैंड को लेकर इसलिए सुर्खियों में है, क्योंकि उनके विचार कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति से मेल नहीं खा रहे हैं.

अभिषेक बनर्जी, प्रियंका चतुर्वेदी, तमिलनाडु से कनिमोझी और एनसीपी की सुप्रिया सुले सहित सभी नेताओं की डिप्लोमेसी की सराहना हो रही है. ओवैसी अकेले नेता हैं, जो अपनी पार्टी के सर्वेसर्वा हैं. उनकी राजनीति एंटी बीजेपी रही है और आगे भी रहेगी. ऑपरेशन सिंदूर पर उन्होंने जो स्टैंड लिया है. पाकिस्तान के खिलाफ जिस तरह से उन्हें आग उगलते देखा गया है, उससे असदुद्दीन ओवैसी की इमेज में अचानक इजाफा हुआ है.

मुस्लिम देशों में जाकर जिस तरीके से उन्होंने भारत में मुसलमानों की स्थिति और पाकिस्तान में आतंक के हालात पर अपने विचार रखे हैं, उससे उनकी छवि में चार चांद लगे हैं.सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतीक ऑपरेशन थरूर बन गए हैं. जैसे अभी ऑपरेशन सिंदूर ज़ारी है. वैसे ही विदेश से वापस आने के बाद भी ऑपरेशन थरूर जारी रह सकता है. इसके राजनीतिक फॉलआउट बाद में दिखाई पड़ेंगे. शशि थरूर एक बौद्धिक नेता हैं. वैचारिक रूप से वह हमेशा सुर्खियों में रहे. निजी लाइफ को लेकर उन पर हमेशा सवाल खड़े होते रहे. कांग्रेस के भीतर उन पर चर्चा तब चालू हुई, जब उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के निर्वाचन में चुनाव लड़ने का साहस दिखाया. न केवल चुनाव लड़े बल्कि उन्हें एआईसीसी डेलिगेट्स के एक हज़ार वोट मिले थे. गांधी परिवार द्वारा मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना प्रत्याशी बनाए जाने के बाद भी उन्हें इतने मत प्राप्त होना, एक बड़ी घटना है. ऑपरेशन थरूर जब पूर्णता पर आएगा तब इसके वास्तविक परिणाम दिखाई पड़ेंगे. राहुल गांधी ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के मामले में सरकार द्वारा नाम मांगे जाने पर एक रणनीतिक गलती कर दी. उनके सामने यह अवसर था कि वह सरकार को चुनौती में डालते हुए अपना नाम स्वयं डेलीगेशन को लीड करने के लिए सरकार को दे सकते थे.

यह उनके पास एक ऐसा अवसर था, जब विपक्ष के नेता के रूप में दुनिया के देशों में ऑफीशियली जाकर भारत के शैडो प्राइम मिनिस्टर के रूप में अपने को प्रूफ कर सकते थे. इसके बदले उन्होंने ऐसे नाम दिए, जिन पर सरकार ने असहमति दिखाई और फिर ऐसे नेताओं को चुना जो सामान्य रूप से कांग्रेस के भीतर विरोधी आवाज के रूप में माने जाते हैं. सलमान खुर्शीद को जरूर इस श्रेणी में नहीं रखा जा सकता लेकिन बाकी नेताओं को तो इसी श्रेणी में माना जाता है. शशि थरूर ने कांग्रेस के स्टैंड को विदेश में एक तरह से गलत साबित किया. उन्होंने साफ-साफ कहा कि वर्ष 2016 के बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की है. इस पर विवाद खड़ा हुआ. कांग्रेस के प्रवक्ता ने इस पर आपत्ति की, जिस पर उन्होंने सफाई भी दी. इसके साथ ही भारत को हुए नुकसान पर भी उन्होंने देश के स्टैंड को सपोर्ट किया. शशि थरुर ने तो यहां तक कहा कि वह राष्ट्र के लिए डिप्लोमेसी कर रहे हैं.

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में घुसकर पाकिस्तान को हिला दिया. साथ ही भारत में सभी दलों की राजनीति को उलट-पुलट कर दिया है. हर दल कह रहा है कि, यह सेना का अभियान है लेकिन हर दल इसका चुनावी लाभ लेने के लिए अपने-अपने ढंग से अभियान भी चला रहा है. ना तो पाकिस्तान के लिए ऑपरेशन सिंदूर खत्म हुआ है और ना ही भारत की चुनावी राजनीति में ऑपरेशन सिंदूर खत्म हुआ है. पाकिस्तान और भारत दोनों देशों में इस ऑपरेशन के दूरगामी प्रभाव दिखाई पड़ेंगे. भारत ने पाकिस्तान पर अपना टारगेट हासिल किया तो दुनिया की डिप्लोमेसी में भी अपना टारगेट पूरा किया. राहुल गांधी अगर जाते तो उन्हें भी भारत का कोहिनूर बनने का मौका मिलता. इसे सियासी चूक ही कहा जा सकता हैकि राहुल ने मिला मौका छोड़ कर, थरूर को कोहिनूर बना दिया.

D Day की असली कहानी

6 जून की एक सुबह... हजारों जवानों ने समंदर की लहरों को चीरते हुए अपने कदम इतिहास की उस ज़मीन पर रखे –जहां मिट्टी भी खून से भारी थी।

लहरें शांत थीं, पर उनके दिलों में तूफान था। क्योंकि जो होने जा रहा था, वो सिर्फ एक युद्ध नहीं था – वो एक विचार की परीक्षा थी। उनके पास नक्शे थे, बंदूकें थीं, हुक्म थेज पर यकीन नहीं था कि वापस लौटेंगे भी या नहीं। वे जानते थे –यह 'अंतिम कोशिश' है। अगर असफल हुएज तो दुनिया वो नहीं रहेगी, जिसे हम जानते हैं।

उस दिन का नाम कोई नहीं जानता था, बस कहा गया — D-Day , जिस दिन सब कुछ दांव पर था। कंधे पर बंदूक, जेब में तस्वीरें, और आँखों में वो घरजजिसे बचाने वे समुद्र में कूदे थे। जहाँ वे उतरे, वो कोई आम तट नहीं था –वो नॉर्मंडी था।

पर उस दिन, वो सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि इतिहास की सबसे बड़ी जमीनी, समुद्री और हवाई चढ़ाई की गवाही था। 135,000 से भी ज़्यादा सैनिकों ने कदम रखा था उस ज़मीन पर। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के जवानों की साँसों से वो हवा भारी हो चुकी थी। जनरल ड्वाइट आइजनहावर, जिन्होंने पूरे अभियान की कमान संभाली थी, ने एक रात पहले चिट्ठी लिखी –

You are about to embark upon the Great Crusade…वो जानते थे – ये कोई सामान्य लड़ाई नहीं थी।

यह एक धर्मयुद्ध था – अत्याचार के खिलाफ, स्वतंत्रता के लिए।

दूसरी ओर, तट की दीवारों के पीछे छिपी थी सदी की सबसे क्रूर ताक़त –फील्ड मार्शल एरविन रोमल की जर्मन सेना, वही रोमल, जिसे दुश्मन भी सम्मान देते थे, जिसे हिटलर नें बाद में मरवा डाला, लेकिन दुनियां का हर सेनापति उसे आज भी याद करता है. उसी रोमल की सेना , जो हर मोर्चे पर जीत चुकी थी, अब आखिरी किला बना चुकी थी। उन्होंने भी कहा था –

The first 24 hours will be decisive… It will be the longest day. और वाकई, वो दिन इतिहास का सबसे लंबा दिन बन गया। आकाश से पैराट्रूपर बरस रहे थे। समंदर में हज़ारों जहाज़ों से गोले दग रहे थे। तट पर जैसे मौत का उत्सव था। और फिर भीज्वो उतरते गए।

क्यों? क्योंकि पीछे जो था, वो सिर्फ घर नहीं था –वो पूरी सभ्यता थी। वो विचार था कि कोई तानाशाह हमें परिभाषित नहीं करेगा ! पहले ही दिन लगभग 4,400 मित्र राष्ट्र के सैनिक मारे गए। जर्मन पक्ष में भी हज़ारों जानें गईं। कदमों ने जिस मिट्टी को चूमा, वह अब कब्रगाह बन गई

थी – पर उन्हीं कब्रों से एक नई दुनिया जन्म लेने जा रही थी। यह सिर्फ सैनिकों की बहादुरी नहीं थी –यह नेतृत्व की भी परीक्षा थी। जनरल मोंटगोमरी, जनरल ओमार ब्रैडली, हर एक ने अपनी टुकड़ियों को ऐसे निर्देश दिए जैसे यह उनकी आख़िरी सांस हो। और जैसे-जैसे युद्ध आगे बढ़ा, नॉर्मंडी का तट उन हज़ारों नामों से भर गया – जो कभी अपने गाँव-कस्बों के पोस्ट ऑफिस में चुपचाप सेना में भर्ती हुए थे, और आज उस विचार के लिए मरने चले आए थे जिसे फ्री वर्ल्ड कहा जाता है।

इस लडाई को हम सब ने The Longest Day में देखा, Saving Private Ryan का पहले के वो 20 मिनट आज भी दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देते हैं। Band of Brothers – हर वो भाईचारा, हर वो दर्द, जिसे कोई सैनिक शब्दों में नहीं कह पाया।

नॉर्मंडी अब सिर्फ एक तट नहीं रहा। वो हमें आज भी याद दिलाता है – कि कभी-कभी, इंसान को समुद्र में उतरना पड़ता है ताकि ज़मीन बची रह सके। नॉर्मंडी की रेत के नीचे वे नाम दफ़न हैं जो आज भी दुनिया की सबसे गहरी निराशा के खिलाफ़ विद्रोह की तरह उभरते हैं। जब भी किसी को लगता है कि एक इंसान कुछ नहीं कर सकता –नॉर्मंडी की लहरें उसे झकझोरती हैं। यह लड़ाई सिर्फ बंदूकों की नहीं थी – यह याद दिलाने की थी, कि आज़ादी कोई उपहार नहीं, एक सतत युद्ध है।

और आज, जब हम स्क्रीन पर "Accept All Cookies" क्लिक करते हैं, तो हमें नॉर्मंडी याद आनी चाहिए –

कि अधिकारों की कीमत क्या होती हैऔर कैसे इतिहास तब करवट लेता है, जब इंसान किसी विचार के लिए, अपने प्राणों से भी ज़्यादा कुछ मानने लगता है। D-Day सिर्फ एक दिन नहीं था –वो इंसानियत के पक्ष में इतिहास की सबसे बड़ी पैरवी थी।

'आई एम नॉट आइलैंड' ईद के मौके पर अब्बास की बात

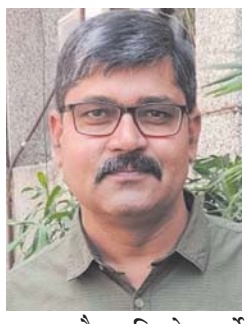

कौशल किशोर चतुर्वेदी

आज ईद के मौके पर हम ख्वाजा अहमद अब्बास की बात कर रहे हैं जो ग्लैमर की दुनिया में रहकर भी सिद्धांतों पर डटे रहे। वह जब अपने जीवन के अंतिम दिनों में गंभीर रूप से बीमार थे और अर्थाभाव से जूझ रहे थे तब उन्होंने अपनी फ़िल्म 'सात हिन्दुस्तानी' के अधिकार उतनी ही राशि में बेचे थे जितनी राशि उनके इलाज के लिए ज़रूरी थी। हिंदी सिनेमा के मिलेनियम स्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लाग में अब्बास से जुड़ी यादों को ताजा करते हुए बताया कि अब्बास सिद्धांतों पर विश्वास करने वाले ऐसे ईमानदार व्यक्ति थे जिनके मन में व्यवसायिकता अपनी जड़ नहीं जमा सकी। वह दूसरों के लिए जीने में विश्वास करते थे। लेकिन किसी से अपेक्षा नहीं करते थे। उनका दिल बहुत बड़ा था। उन्होंने लिखा है कि अब्बास इतने स्वाभिमानी व्यक्ति थे कि जीवन के अंतिम समय में भी उन्हें किसी की सहायता लेना मंजूर नहीं था। वह केवल अपनी मेहनत की कमाई पर विश्वास करते थे। अब्बास की तरह आज भी हर भारतीय होता तो कितना अच्छा होता। अब्बास साहब ने सुकोमल प्रेमप्रसंग के परिणामस्वरूप मुज़्तबी बेगम के साथ विवाह का अति सुंदर वर्णन उनकी आत्मकथा 'आई एम नॉट आइलैंड' में किया गया है। यह एक सफल प्रेम विवाह था। कहा जाता है कि उनकी समस्त उल्लेखनीय उपलब्धियों के पीछे उनकी पत्नी का बड़ा हाथ था। सन 1958 में पत्नी की मृत्यु के उपरांत वह अकेले रह गये थे। ऐसे ख्वाजा अहमद अब्बास साहब का जन्म 7 जून 1914 को हरियाणा राज्य के पानीपत में हुआ था। वह प्रसिद्ध फ़िल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और उर्दू लेखक थे। वे उन कुछ गिने चुने लेखकों में से एक थे, जिन्होंने मुहब्बत, शांति और मानवता का पैगाम दिया। एक पत्रकार के रूप में उन्होंने 'अलीगढ़ ओपिनियन' शुरू किया। 'बॉम्बे क्रॉनिकल' में ये लंबे समय तक बतौर संवाददाता और फ़िल्म समीक्षक रहे। इनका स्तंभ 'द लास्ट पेज' सबसे लंबा चलने वाले स्तंभों में गिना जाता है। यह 1941 से 1986 तक चला। अब्बास इप्टा के संस्थापक सदस्य थे।

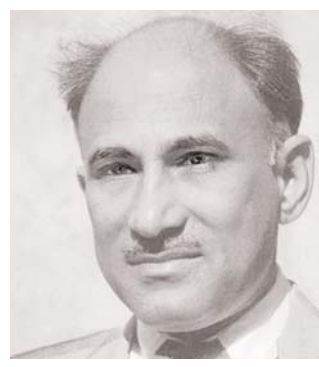

ख्वाजा साहब ने अतिसफल फ़िल्म निर्माता-निर्देशक राजकपूर के साथ एक लम्बा साथ निभाया और 'आवारा' (1951), 'श्री 420' (1955), 'जागते रहो' (1956), 'मेरा नाम जोकर' (1972) और 'बॉबी' (1973) जैसी उनकी कई सफल फ़िल्में लिखी। आर. के. बैनर की फ़िल्म 'हिना' (1991) जिसे रणधीर कपूर द्वारा निर्देशित किया गया था; भी अब्बास साहब की एक कहानी पर आधारित थी। अब्बास साहब ने राज कपूर की फ़िल्म 'राम तेरी गंगा मैली', की शुरुआत और अन्त भी लिखा था। यह एक ऐसी बात है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। राजकपूर ख्वाजा साहब के क़रीबी थे और उन्हें 'मेरी आवाज़' बुलाया करते थे। उनके अपने जीवन पर बनी फ़िल्म 'मेरा नाम जोकर' के बॉक्स ऑफ़िस पर फ्लॉप हो जाने के बाद, राजकपूर वित्तीय संकट में फंस गये थे। अब्बास साहब ने, सिर्फ़ इस असाधारण निर्देशक की मदद करने के लिए, अपने सिद्धांतों से समझौता किया। उन्होंने एक मसालेदार किशोरावस्था के रोमांस की फ़िल्म 'बॉबी', लिखी। यह एक सुपरहिट फ़िल्म साबित हुई और राज कपूर फिर से सफ़लता की लहर पर सवार हो गये। लेकिन 'बॉबी' में भी, अब्बास साहब अपने समाजवादी दृष्टिकोण और अपने प्रगतिशील विचारों को स्थापित करने में सफल रहे। उन्होंने इसे फ़िल्म की विषय-वस्तु में रोपित कर दिया। अब्बास साहब की यथार्थवाद में गहरी जड़ें थीं, लेकिन फिर भी राज कपूर के लिए उन्होंने जितनी भी फ़िल्में लिखी, उन सभी में एक मजबूत सामाजिक मुद्दा था, चाहे यह 'आवारा' हो या 'श्री 420'। उनके लिए सिर्फ़ और सिर्फ़ फ़िल्म ही महत्वपूर्ण थीं ना कि उससे जुड़े आर्थिक लाभ।

ख्वाजा अहमद अब्बास तथा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू छात्र जीवन के समय से मित्र थे। सन 1947 में देश विभाजन के समय उनकी माँ सहित सभी निकट संबंधी पाकिस्तान चले गये (पिता की मृत्यु 1942 में हो चुकी थी), लेकिन वह पाकिस्तान नहीं गये तथा उन्हें दंगाग्रस्त पानीपत से बाहर सुरक्षित निकालने के लिए जवाहरलाल नेहरू ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। इनकी फ़िल्म 'मुन्ना' (1954) को देखने के लिए नेहरूजी इतने उत्सुक थे कि उन्होंने इसका एक प्रिंट दिल्ली भेजने के लिए विशेष आदेश दे डाला। इसके बाद पंडित जी इस फ़िल्म से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने इसके बाल-कलाकार मास्टर रोमी से मिलने की मंशा भी ज़ाहिर की।

अंतिम दिनों में, दो-दो दिल के आघातों (हार्ट-अटैक) के बावजूद, अब्बास साहब अपनी फ़िल्म 'एक आदमी' (1988) की डबिंग को जारी रखे हुए थे। यह फ़िल्म उनकी मृत्यु के बाद प्रदर्शित हुई। वे कहा करते थे, ÷फ़िल्म किसी भी कीमत पर रुकनी नहीं चाहिए।÷ ख्वाजा अहमद अब्बास साहब का मुंबई में 72 वर्ष की आयु में 1 जून, 1987 को निधन हुआ। वे अपने अंतिम दिनों तक ब्लिट्ज़ के लिए लिख रहे थे। अब्बास साहब को भारत में समानांतर (पैरेलल) या नव-यथार्थवादी (नियो-रियलिस्टिक) सिनेमा के रहनुमाओं में गिना जाता है। एक पटकथा लेखक और निर्देशक के रूप में, भारतीय सिनेमा में उनका योगदान वृहद् है और प्रेरणादायक भी। एक पत्रकार के रूप में उनकी राष्ट्रवादी विचारक की एक भूमिका और दूरदर्शिता का कोई सानी नहीं है। साहित्य में, उर्दू के एक प्रमुख लेखक के रूप में उनकी छाप अमिट रहेगी। अब्बास साहब अपने आप में एक संस्थान थे और जो जगह उन्होंने हमारे दिलों में बनायीं है वह शब्दों के परे है।

यह एक संयोग ही है कि आज ख्वाजा अहमद अब्बास का जन्मदिन है और आज ईद का त्यौहार भी है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी ख्वाजा अहमद अब्बास वास्तव में एक सच्चे भारतीय थे जिन पर हर कोई गर्व कर सकता है। 'आई एम नॉट आइलैंड' एक खूबसूरत आत्मकथा है और ईद के मौके पर अब्बास की बात भी मन को सुकून दे रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सिंदूर वाटिका में लगाए न्यू प्लांट में वृक्षा रोपण

नैनपुर। मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने पर्यावरण दिवस पर फिल्टर प्लांट वार्ड नंबर 14 में वार्ड के लोगों की उपस्थिति में बड़ी तादाद पर वृक्षारोपण किया गया सिंदूर वाटिका में वृक्षारोपण को लेकर वार्ड के महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया इस अवसर पर वार्ड के विकास की योजनाओं पर मंत्री संपतियाउंईके ने सिंदूर वाटिका को विकसित करने के लिए वार्ड के लोगों की आवश्यकता होगी पर्यावरण के महत्व को बताते हुए श्रीमती संपतिया ने कहां की पर्यावरण के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता होती है इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण पंजवानी सहित उपाध्यक्ष पार्षदगढ़ अलावा भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

दीपों से जगमगा उठी नूरगंज बावड़ी, लोग बोले ऐसा नजारा पहले नहीं देखा

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। विश्व पर्यावरण दिवस पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत क्षेत्र के अलग-अलग जगहों पर समाजसेवियों ने प्रकृति संरक्षण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किये। ग्राम नूरगंज में ऐतिहासिक बावड़ी पर जनता ने मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी, प्रस्फुटन समितियों की सहभागिता में भव्य बावड़ी महोत्सव का आयोजन किया। ग्राम के नागरिकों ने बावड़ी पर हुए इस दिपोत्सव कार्यक्रम के दौरान सुंदरकाण्ड, रंगोली, सैकड़ों दीपों की श्रृंखला से बावडी को जगमगा दिया। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में गंगा -नर्मदा आरती में भाग लिया। महोत्सव में सास्कृतिक झांकी भी प्रस्तुत की गई ,सभी ग्रामीणों ने बावडी के कायाकल्प को लेकर जन अभियान परिषद की ब्लाक समन्वयक श्रीमती निशा बहेकार व नवांकुर संस्था अध्यक्ष सुनील सेरिया एवं टीम का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में पहुंचे एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव एवं तहसीलदार हेमन्त शर्मा,,नायब तहसीलदार निलेश सरवटे थाना प्रभारी नूरगंज ,बावड़ी पर हुए इस श्रमदान कार्य की सराहना करते हुए बावड़ी के और गहरीकरण का आश्वासन दिया।

ईद पर ईदगाह पर नमाज के बाद एक दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी

आष्टा। शहर में ईद उल अज़हा हर्षउल्लास के साथ मनाई गई ईद की नमाज शहर के पुराना भोपाल इंदौर मार्ग अलीपुर पर ईदगाह पर हुई यहां पर नायब काजी शेख सिद्दीकी , शहर काजी फजले बारी आरिफ साहब ने ईद की नमाज अता

कराई साथी सभी मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। शनिवार को देशभर में ईद मनाई गई शहर में भी ईद के अवसर पर ईद की नमाज ईदगाह पर सुबह 7 बजे नयाब शेख सिद्दीकी साहब ने नमाज अदा कराई साथ ही शहर काजी फजले बारी साहब भी उपस्थित रहे इसके अलावा शहर की सभी मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज शामिल हुए ईदगाह पर नमाज के बाद मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। क्षेत्रीय विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, नपा अध्यक्ष पूर्व नपा अध्यक्ष कैलाश परमार, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ,वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरपाल सिंह ठाकुर ने भी ईद की बधाई दी।

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश को इन्दौर ग्रामीण का प्रदेश पर्यवेक्षक नियुक्त किया

आष्टा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश परमार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन्दौर ग्रामीण का कांग्रेस जिला अध्यक्ष बनाने हेतु प्रदेश पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। श्री

परमार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त केन्द्रीय पर्यवेक्षक के साथ इन्दौर ग्रामीण का कांग्रेस जिला अध्यक्ष बनाने हेतु आम कार्यकर्ताओं, क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसजन व पार्टी के विभिन्न संगठन व मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ मिलकर नये जिला अध्यक्ष के नाम का पैनल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को प्रस्तावित करेंगे। गत मंगलवार को राजधानी भोपाल में लोक सभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस में नयी जान फूकने के लिए "संगठन सृजन अभियान" की शुरूआत की है जिसके तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की निगरानी में पहली बार जिला अध्यक्ष केन्द्रीय पर्यवेक्षक चुनेंगे। नये चुने हुए जिला अध्यक्षो को असली ताकत दी जाएगी जिससे वह त्वरित व स्वतंत्र निर्णय लेकर पार्टी को जमीनी आंदोलन से जोड़ेंगे। कांग्रेस इस अभियान के तहत निष्क्रीय नेताओ की जगह युवा उर्जावान और फील्ड मे एक्टीव जनाधार वाले नेताओ को मौका देने जा रही है। इस अभियान के तहत प्रदेश के जिलो में संगठन को नवीन तरीके से खड़ा किया जाएगा और जिला अध्यक्षो का चयन पारदर्शी तरीको से किया जाएगा। संगठन के नये ढाचे में जिला ईकाई सबसे पावरफूल होगी और उन्हे अधिकार भी दिये जाएंगे और जिम्मेदारी भी तय होगी। मध्यप्रदेश में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत कांग्रेस संगठन के हर एक्शन व मूवमेंट पर श्री गांधी की नजर रहेगी। "संगठन सृजन अभियान" का मकसद पार्टी को नये सिरे से तैयार करना है, जिला अध्यक्ष का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाएगा और श्री गांधी की मंशाअनुरूप पोटेंशियल व फ्यूचर मध्यप्रदेश की नयी लीडरशीप तैयार की जाएगी जो कि कांग्रेस की विचारधारा के साथ आमजन की समस्याओ को लेकर आमजन के साथ हमेशा खड़े रहेंगी।

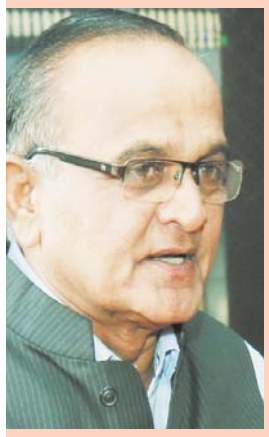

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश परमार की इस नियुक्ति पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, जिला पंचायत सदस्य कमलसिंह चौहान, एआईसीसी सदस्य हरपाल ठाकुर, वरिष्ठ पार्षदगण हिफजुर्रहमान भैया मिया, जाहिद गुड्डू, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रहलादसिंह वर्मा, ओंकारसिंह ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र शोभाखेड़ी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जावर अरविंद ठाकुर, आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष सुनील कटारा के साथ ही कांग्रेस समर्थित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ कांग्रेसजनो, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने अपनी शुभकामनाये व्यक्त कर हर्ष व्यक्त किया है और अखिल भारतीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे, श्रीमति सोनिया गांधी, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग श्रंगार का आभार व्यक्त किया है।

त्याग का पैगाम देती है ईद उल अज़हा

ईद उल अज़हा पर ईदगाह पर अदा की गई नमाज

सिरोंज । सिरोंज में शनिवार को देशभर में बल्कि समूचे संसार में इस्लाम धर्म के अनुयाई त्याग और बलिदान का महा पर्व ईद-उल-अजहा मना रहे हैं आज सुबह मुस्लिम समुदाय के हज़ारों लोगों ने ईदगाह पर ईद की नमाज सुबह 7 बजे अदा की गई वही शहर की अन्य मस्जिदों में भी ईद की विशेष नमाज अदा की गई ईदगाह पर नमाज से पूर्व मन्नू कोरी ने तकरीर पेश की वहीं ईद की नमाज हाफिज़ मतीन उद्दीन ने पढ़ाई,और कुतबा पढ़ा।

शहर इमाम नूरुद्दीन ने विशेष दुआ पढ़ाई नमाज के पश्चात लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी और कुर्बानी करके हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी को याद किया वहीं राजनीतिक दलों ने भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की मुबारकबाद पेश की जिसमें ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के प्रदेश सचिव डॉक्टर वसीम एवं जिला महासचिव वाजिद कुरैशी ने लोगों को ईद की बधाई दी वहीं ईदगाह सहित सारी मस्जिदों के आसपास बड़ी तादाद में पुलिस प्रशासन के साथ आला अधिकारी पुलिस एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी थाना प्रभारी पंकज गीते नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मेना भी मौजूद रहे।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के तहसील अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ़ बाबू ठेकेदार एवं नगर अध्यक्ष वाहिद गौरी ने अपील की है कुर्बानी का बीफ वगैराह रास्तों एवं कचरा घरों में नहीं डाले कुर्बानी का बचा हुआ बीफ वगैराह जमीन में दफन की जावे जिससे लोगों को परेशानी नाहो। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम - ईद-उल-अज़हा को देखते हुए शहर में पुलिस भी सुरक्षा की दृष्टि से जगह-जगह तैनात की गई त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न हो इसके लिए सिरोंज पुलिस मुस्तैद है त्योहारों को देखते हुए बाहर से भी फोर्स बुलाया गया है वहीं स्थानीय प्रशासन द्वारा बेहतरीन इंतजाम किए गए।

मिडवे ट्रीट औबेदुल्लागंज में चोरी करने के इरादे से घुसे चोर

एक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया अन्य की तलाश में जुटी पुलिस

औबेदुल्लागंज (सं)। औबेदुल्लागंज में पर्यटन विभाग मध्य प्रदेश शासन के मिडवे ट्रीट में बीती रात 12 बजे अज्ञात शख्स को चोरी करते पकड़ा गया। बताया गया लगभग 06 फिट की मजबूत फेंसिंग लांघलर घुसे चोर को सुरक्षाकर्मी की सतर्कता से पकड़ा गया। अन्य चोर भाग खड़े हुए जबकि, चोर के द्वारा मार्ग सुविधा केंद्र लॉकर से छेड़छाड़ के साथ उपकरणों की चोरी करने की घटना चश्मदीदों की उपस्थिति में कबूली गई। 12 बजे के लगभग डायल 100 को सूचित किया गया। मिडवे संचालक अमन चुघ ने बताया कि बीते दिनों आंधी तूफान के चलते बंद पड़ी स्ट्रीटलाइट और बिशनखेड़ा फीडर में आकस्मिक विद्युत आपूर्ति बाधित होने से व्याप्त अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ चोर धारदार हथियार लिए सेंधमारी के इरादे से मिडवे में प्रवेश कर गये। अंधेरे में चोरी करने के दौरान बाहर गश्ति करते हुए सुरक्षाकर्मी द्वारा कर्मचारियों के साथ सामान ले जाकर बाहर खड़े अपने साथियों के साथ पकड़ा गया। पहले तो, पकड़े जाने पर चोर के द्वारा जानलेवा हमले के प्रयास किया परंतु अधिक संख्या में कर्मचारियों की उपस्थिति देखकर पागल होने का अभिनय करने

लगा। बाद में पानी पीने आने और परिवार के द्वारा मारपीट होकर घर से भागने के बहाने करके झूठ बोलकर बरगलाने लगा। बाद में सख्ती से पूछताछ करने पर उसके द्वारा सहयोगियों के साथ निरंतर थाने व महाविद्यालय परिसर, कृषि विभाग, मार्ग सुविधा केंद्र व पीडब्ल्यूडी विभाग में चोरी की बात कबूली गई। पहले अपना नाम प्रभु प्रजापति निवासी झारखंड व बाद में सागर जिले का होना बताया गया। सुविधा केंद्र द्वारा औबेदुल्लागंज थाने में संपर्क करने उपरांत पकड़े गए चोर को प्रभारी पुलिसकर्मियों के सुपुर्द कर दिया गया। राज्य पर्यटन बोर्ड मध्य प्रदेश शासन सचिव जगदीश गोमे के माध्यम से जिला प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्थाओं में कोताही न बरतते हुए शासन की संपत्ति के संरक्षण के साथ सक्षम कार्रवाई हेतु पत्राचार किया गया। इस प्रकार के अराजक व समाज के विघटनकारी तत्वों का खुले आम घूमना शहर के व्यापारियों व स्थानीयों की जानमाल के लिए घातक साबित हो सकता है। औबेदुल्लागंज पुलिस द्वारा लिखित शिकायत दर्ज करके एफआईआर के साथ चोर से पूछताछ करते हुए उसके साथियों की तलाश की जा रही है।

बम्हनी थानांतर्गत धड़ल्ले से चल रहा सट्टा का कारोबार

सटोरिए पुलिस थानों के नजदीक पान दुकान और रेल्वे क्रासिंग में कर रहे सट्टा का कारोबार

मण्डला/अजीत पटेल--जिले में सट्टा बाजार का कारोबार खुलेआम और तेजी से फल-फूल रहा है। सट्टा के इस कारोबार पर प्रशासन द्वारा शिकंजा नहीं कसने से लोगों के घर-गृहस्थी में कलह का कारण दिनों-दिन बढ़ते जा रहे हैं और युवा जनरेशन इस सट्टा कारोबार का शिकार हो रहे हैं।जहां शासन-प्रशासन द्वारा परिवार-परामर्श,अपराध पर शिकंजा कसने और अपराधियों को रोकने एक से एक बेहतर सुखद गृहस्थी को लेकर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं परन्तु नशा के कारोबारी, सट्टा कारोबारी पर रोक लगाने में पुलिस नाकाम रही।अपराधिक प्रवृत्ति पर तंज कसने तथा सटोरियों पर शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रही इस पुलिस प्रशासन से बेखौफ सटोरियों तथा नशा कारोबारियों के हौसले आज इतने बुलंद हो चुके हैं कि आये समाचार पत्रों में इन अपराधियों के कारनामों को उजागर करने के बावजूद इन पर जूं तक नहीं रेंग रही बल्कि जिम्मेदारों ने अपनी हिस्सेदारी बटोरने को लेकर इनके हौसला बुलंद करते नजर आ रहे हैं।

आये दिन सट्टा कारोबारी तथा नशा व्यापारीयों की हो रही शिकायतें

हम बात कर रहे हैं जिला मुख्यालय के नजदीक बम्हनी थानांतर्गत क्षेत्र की जहां बीच बस स्टैंड, रेल्वे लाईन क्रासिंग,लिमरुआ, पुलिस थाना क्षेत्र के पीछे तालाब के सामने यह ऐसे पुख्ता क्षेत्र है जहां रोजाना खुलेआम सट्टा का कारोबार किया जा रहा है और यह कोई नई बात नहीं कि इसकी जानकारी पुलिस को अथवा जिम्मेदारों को नहीं है उक्त समस्त मामले और अपराधों तथा अपराधियों की एक-एक बूंद की खबर पुलिस को है परन्तु अपनी हिस्सेदारी बटोरने के चलते स्वयं जिम्मेदारों ने इस अपराध तथा अपराधियों को संरक्षित कर रखा है।

बम्हनी थानांतर्गत क्षेत्र में सट्टेबाजी के इस अवैध कारोबार को बंद करने को लेकर पहले भी क्षेत्रीयजनों ने पहल किया जिसमें पुलिस प्रशासन द्वारा मामले की गरमा-गरमी देखते हुए कुछ दिन इस कारोबार को बंद कर दी गई, और पुनः नये से बम्हनी बस स्टैंड के बीचों-बीच,लिमरुआ में,ग्वारा रेल्वे लाईन क्रासिंग सब्जी मंडी के पास, पुलिस थाना क्षेत्र के पीछे तालाब के सामने खुलेआम काउंटर लगाकर सट्टा-पट्टी लिखी जा रही है,जिसकी रग-रग से पुलिस वाकिफ है बावजूद इसके खुलेआम सट्टा कारोबारी द्वारा इस अवैध कारोबार एवं सट्टा

खिलाने का खुलेआम काउंटर खोला गया है।

पुलिस थानांतर्गत क्षेत्र के आस-पास नजदीकी क्षेत्रों में बड़े पैमाने में सट्टा बाजार का काम किया जा रहा है जिसको लेकर सवाल यह उठता है कि आखिर इन सटोरियों को खुलेआम सट्टा खिलाने का किसका मिल रहा है संरक्षण।मामले को लेकर थाना प्रभारी से मुलाकात करना चाहा तो थाना प्रभारी का शासकीय कार्य में व्यस्त होना बताया गया। पहले भी पत्रकारों द्वारा सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु शिकायत की गई है, जिसमें बम्हनी थाना प्रभारी द्वारा वैधानिक कार्यवाही करने हेतु आश्वासन दिया गया है,अब शिकायतकर्ताओं द्वारा जिम्मेदारों द्वारा कार्यवाही का इंतजार किया जा रहा है।

थाना बीजाडांडी पुलिस ने दो आरोपियों से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब एवं वाहन किया जब्त

मण्डला। बीजाडांडी पुलिस ने गत रात मुखबिर की सूचना पर शराब का परिवहन करते हुये दो आरोपियों के कब्जे से 07 पेटी (63 लीटर) बिलायती अंग्रेजी शराब सहित एक टवेरा वाहन को किया जप्त कर गिरफ्तार किया गया। थाना बीजाडांडी मे आज दिनांक 06/06/2025 को टीम गठित कर अवैध शराब रेड कार्यवाही कर आरोपी दीपांशु दुबे पिता दयाशंकर दुबे उम्र 21 साल निवासी ग्राम मेढ़ी मनेरी बीजाडांडी मंडला एवं गणेश बेन पिता गुड्डू बेन उम्र 19 साल निवासी ग्राम मेढ़ी मनेरी बीजाडांडी मंडला के कब्जे घटना में प्रयुक्त आरोपित एक सफेद रंग की टवेरा वाहन क्रमांक mp20ba 4326 कीमती 5,00,000 रूपये जिसमें अवैध अंग्रेजी शराब जिनियस व्हीस्की की 07 पेटी प्रत्येक पेटी में 50 क्वाटर प्रत्येक में 180 एम.एल. शराब कुल मात्रा 63 लीटर कीमती करीबन 47,250 रुपये रूपये कुल जुमला कीमती 5,47,250 रूपये की मशरूका की जप्ती की गई है।उक्त दोनो आरोपियों के विरूध्द धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबध्द किया गया।इस सराहनीय कार्य में मुख्य भूमिका थाना प्रभारी बीजाडांडी निरीक्षक पुष्प करण मुवेल,उनि नीलेश पटेल,उनि पंकज विश्वकर्मा,सउनि छवि लाल सूर्यवंशी,प्र.आर.चौकसिंह कुलस्ते,प्र.आर.जय पाण्डे, प्र.आर. रविन्द्र मरावी,आर. संदीप मेवाड़ा, आर. रोहित कुशवाहा, आर. महेन्द्र मार्को, आर. देवेन्द्र धुर्वे, आर. जय सिंह मेरावी,आर.प्रतीक रजक, चालक आरक्षक विजय छिरा की विशेष भूमिका रही।

छतरपुर के संजय शर्मा बने मसीहा, 8 हजार मानसिक विक्षिप्तों को दे चुके नई जिंदगी

छतरपुर। आमतौर पर लोग मानसिक विक्षिप्त को देखकर दूर भागते हैं और उनसे डरते हैं। लोग उनकी मानसिक स्थिति को देखते हुए उनके आस पास जाने से भी कतराते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो इन लोगों का दर्द और उनकी हालत समझते हैं। ऐसे ही एक एडवोकेट संजय शर्मा हैं, जो इन लोगों के पास जाकर उनका हाल जानकर मदद करते हैं। इनमें से कई ऐसे लोग हैं, जो पढ़े-लिखे हैं और फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हैं।

भारत में शायद ही ऐसे कम लोग होंगे, जो अपने जीवन की परवाह किए बगैर दूसरों के जीवन के लिए जीते होंगे. छतरपुर शहर के नजरबाग में रहने वाले एडवोकेट संजय शर्मा पिछले 35 सालों से खुद के पैसे खर्च कर पूरे भारत में ऐसे मानसिक विक्षिप्त को सहारा दे रहे हैं. जो कई-कई वर्षों अपने घर में जनवरों की तरह रहे, लोग उन्हें मारते-पीटते थे. ऐसे लोगों को रेस्क्यू कर संजय शर्मा कार्यपालिका व न्यायपालिका की मदद से संबंधित मानसिक आरोग्य शाला भेजने का काम कर रहे हैं.

उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़कर उनका पुर्नवास करते हैं. छतरपुर जिला अस्पताल में शिविर लगाकर पिछले 15 सालों से संजय शर्मा ये काम कर रहे हैं. संजय शर्मा ने अभी तक देश भर में करीब 8 हजार से ज्यादा मानसिक विक्षिप्त का इलाज कराकर उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है. संजय शर्मा ने बताया ''हरपालपुर का निवासी एक युवक मानसिक विक्षिप्त हो गया था, उसके घरवालों ने जैसे ही सूचना दी, तो वह उनके घर पहुंचे. उस युवक से कोई बात नहीं करता था. उसने अपनी मां और पत्नी का गला दबा दिया था. संजय शर्मा ने उससे बात की उसका हाल जाना और इलाज करवाया. आज वह पूरी तरह से ठीक हो चुका है और चाट का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कर चुकी हैं सम्मान

वहीं चंदनगर का एक शख्स मानसिक विक्षिप्त था, जो लोगों को पत्थर मारता था, लेकिन वह अब वह ठीक हो गया. एडवोकेट संजय शर्मा को तत्कालीन जज दीपक मिश्र (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा सम्मानित किया गया था. वहीं अंतराष्ट्रीय गॉडफ्रे ब्रेवरी अवार्ड, एमपी शासन का महर्षि दधीचि सम्मान, बुंदेलखण्ड गौरव छतरपुर सम्मान सहित अभी तक 94 बार सम्मानित किया जा चुका है. इसके साथ ही संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. संजय शर्मा ने बताया वह पिछले 35 सालों से बिना किसी हलफ़ की मदद से निजी खर्च पर मानसिक बीमार लोगों की सेवा कर रहे हैं. इंसान के रूप में फरिश्ता है ये वकील, 34 साल में 8 हजार विक्षिप्तों को दिया नया जीवन

क्या कहते है डॉक्टर

इस बारे में छतरपुर के जिला हॉस्पिटल में पदस्थ मनोचिकित्सक डॉक्टर आनंद त्रिपाठी ने बताया ऐसे लोगों मे जो स्काइजोफ्रेनिया होती है, उसकी कई थ्योरी होती है. जिसमें एक टोपामीन नमक थेयोरिया होती है. उसके बढ़ने के कारण लोगों को भ्रम पैदा होता है. आवाजे आना शुरू हो जाती है. जिससे उन्हें लगता है कि लोग मुझे मारना चाहते हैं. मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं.

दो SUV, बड़ा बंगला और रिकॉर्ड में मजदूर, पूर्व सरपंच और परिवार का मनरेगा घोटाला

ग्वालियर। जनपद पंचायत भितरवार में मनरेगा योजना के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है।इस घोटाले का आरोप पूर्व सरपंच सरबदी बाई पर है। सरपंच के परिवार के पास दो स्कूू गाड़ियां और एक आलीशान पक्का मकान है। इसके बावजूद वे और उनके परिवार के आठ सदस्य सरकारी पोर्टल पर मनरेगा मजदूर के रूप में दर्ज हैं। सभी सदस्यों को हजारों रुपये का भुगतान मजदूरी के नाम पर हुआ है।

जॉब कार्ड बने पूरे खानदान के नामः सरबदी बाई, उनके पति पंजाब सिंह यादव, बेटा आकाश यादव समेत कुल आठ लोगों के नाम से जॉब कार्ड बने हैं। नियमों के अनुसार, जिनके पास चार पहिया वाहन होता है, उन्हें मनरेगा के तहत मजदूरी नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद इनके परिवार को सरकारी पोर्टल पर मजदूरी के रिकॉर्ड में शामिल किया गया।सरकारी पोर्टल से मिली जानकारी के मुताबिक, पूर्व सरपंच सरबदी बाई ने 17 जून से 7 जुलाई 2024 तक सड़क निर्माण में मजदूरी की है। उसी दौरान उनके बेटे धर्मेंद्र यादव और बहू अलका यादव को भी एक ही कार्य में मजदूरी करते दिखाया गया है।

जनपद पंचायत भितरवार के सीईओ एलएन पिप्पल ने इस पूरे मामले पर कहा कि पूर्व सरपंच और उनके परिवार के मजदूरी करने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। मजदूरी देने का काम ग्राम रोजगार सहायक और सचिव का होता है।

बजरंग बली सप्लायर फर्म भी बेटे के नामः ग्राम पंचायत में जो भी निर्माण सामग्री जैसे सरिया, खिड़की, सीमेंट, ट्रैक्टर सफाई आदि के लिए भुगतान हुआ, उसका अधिकतर काम बजरंग बली

कंस्ट्रक्शन एंड सप्लाय नामक फर्म को दिया गया।इस फर्म को 9 नवंबर 2024 को 92.60 रुपए प्रति किलो की दर से सरिया के लिए भुगतान किया गया था। जांच में सामने आया कि इस फर्म के संचालक खुद सरबदी बाई का बेटा आकाश यादव और केदार सिंह हैं। इस फर्म ने तस्क्र में एक भी रुपया जमा नहीं किया और फिलहाल इसका खाता निलंबित है।

परिवार के इन सदस्यों के नाम पर बने Job Card

- पंजाब सिंह यादव (पति)
- सरबदी बाई (पूर्व सरपंच)
- आकाश यादव (पुत्र)
- बीरबल यादव (भाई)
- श्रीपदी बाई (पत्नी बीरबल)
- ज्योति (बीरबल की बेटी - शादीशुदा)
- धर्मेंद्र यादव (बीरबल का पुत्र)
- अलका यादव (पत्नी धर्मेंद्र)
- बिल्डिंग मटेरियल का काम भी जारी

पूर्व सरपंच के पति पंजाब सिंह ने इस पूरे मामले पर कहा हम सभी लोग मजदूरी करते हैं। अभी हम गौशाला में काम कर रहे हैं। हमारा कोई सदस्य सरकारी सेवा में नहीं है। पहले 240 दिहाड़ी मिलती थी, अब 262 रुपए मिलती है। मेरा बेटा पिछले एक साल से बिल्डिंग मटेरियल का व्यापार कर रहा है।

पर्यावरण दिवस पर नपा कर्मियों ने किया वृक्षारोपण

सिवनी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वूमेन फॉर ट्री कैंपियन के तहत आज नगर पालिका सिवनी द्वारा मठ मंदिर गार्डन में आम, जामुन, कटहल, आंवला, अमरूद, बादाम बरगद, पीपल नीम, अशोक, गुलमोहर इत्यादि फलदार एवं छायादार पौधों का पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया, नगर पालिका अधिकारी विशाल मस्कोले, नगर पालिका परिषद के सभी पार्षदगण, उपयंत्री संतोष तिवारी, श्रीमती वंदना मरकाम, एनयूएलएम नोडल भीमराव बंसोड़, स्वच्छता से सोशल एक्सपर्ट रोहित, फील्ड इंजीनियर मनोज ढोले, सामुदायिक संगठक शैलेंद्र पद्रे एवं स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चौरई जिला छिंदवाड़ा

विज्ञप्ति

क्रमांक/ 548 /प्रस्तुत-2/अ.वि.अधि. चौरई, दिनांक 05.06.2025

मध्यप्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण)आदेश 2015 के तहत् विकासखण्ड चौरई एवं बिछुआ की शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालित करने वाली संस्थाओं द्वारा दुकान संचालन में असमर्थता व्यक्त की है। अतः निम्न ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य दुकान खोले जाने हेतु ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है:-

क्रमांक	अनुभाग का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम जिसमें उचित मूल्य दुकान खोला जाना है
1.	चौरई	चौरई	फुटेरा (हरदुआमाल)
2.	चौरई	चौरई	देवरीमाल
3.	चौरई	चौरई	बांकानागनपुर
4.	चौरई	चौरई	पोनिया
5.	चौरई	चौरई	परसोली
6.	चौरई	बिछुआ	ग्वारीमाल

उपरोक्तानुसार विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://www.rationmitra.nic.in पर उपलब्ध है। म.प्र. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 की कंडिका 8(1)सहपठित अनुसूची 2 संशोधन दिनांक 11 अप्रैल 2016 (परिशिष्ट 2)अनुसार उचित मूल्य दुकान आवंटन हेतु निम्न पात्र संस्थाएं है:- (1) म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 10 की उपधारा (1)के अंतर्गत वर्गीकृत 1. उपभोक्ता सोसायटी 2. विपणन सोसायटी 3. उत्पादक सोसायटी 4. संसाधन सोसायटी 5. बहुप्रयोजन सोसायटी। (2) महिला स्वसहायता समूह। (3)संयुक्त वन प्रबंधन समिति। अतः इच्छुक पात्र संस्थाएं दिनांक 06.06.2025 से दिनांक 11.06.2025 तक कार्यालय सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी चौरई को आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् आवेदन मान्य नहीं किये जायेंगे।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
अनुविभाग चौरई

रिकी पोंटिंग की ऑल टाइम बेस्ट इलेवन में सिर्फ एक भारतीय, नाम जानकर रह जाओगे दंग!

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने हाल ही में अपनी ऑल टाइम बेस्ट क्रिकेट टीम का खुलासा किया है। इस टीम में उन्होंने उन खिलाड़ियों को जगह दी है, जिन्होंने अलग-अलग दौर में इंटरनेशनल क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि पोंटिंग ने भारत से सिर्फ एक ही खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को चुना। यह चयन इसलिए भी खास है क्योंकि सचिन और पोंटिंग का करियर लगभग साथ चला और दोनों के बीच हमेशा 'बेस्ट बनने' की होड़ रही।

दरअसल रिकी पोंटिंग ने ओपनिंग के लिए ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर की जोड़ी को चुना है। ये दोनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया की रीढ़ रहे हैं। तीसरे नंबर पर उन्होंने साउथ अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक कैलिस को शामिल किया है, जिनकी तकनीक और फिटनेस की मिसाल दी जाती है। नंबर 4 पर पोंटिंग ने सचिन तेंदुलकर को रखा, जो बतौर बल्लेबाज इस टीम की सबसे बड़ी शख्सियत हैं। पांचवें नंबर पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा हैं, जिनकी क्लासिक बैटिंग स्टाइल और रिकॉर्ड्स उन्हें अलग बनाते हैं। छठे नंबर पर श्रीलंका के कुमार संगकारा को जगह मिली है, जिन्हें पोंटिंग ने इस टीम का कप्तान भी बनाया है।

गेंदबाजी में इन्हें चुना भरोसेमंद

वहीं विकेटकीपिंग के लिए उन्होंने एडम गिलक्रिस्ट को चुना है। इस फैसले ने धोनी फैंस को जरूर निराश किया होगा, लेकिन पोंटिंग का मानना है कि गिलक्रिस्ट ने टेस्ट क्रिकेट में कीपिंग और बैटिंग का बेहतरीन बैलेंस बनाया था गेंदबाजी विभाग में रिकी पोंटिंग ने तेज गेंदबाजों के रूप में पाकिस्तान के वसीम अकरम, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा और वेस्टइंडीज के कर्टली एंब्रोस को शामिल किया है। ये तीनों अपने समय के सबसे घातक गेंदबाज रहे हैं। वसीम अकरम ने स्विंग गेंदबाजी को नई ऊंचाई दी, जबकि मैक्ग्रा की लाइन और लेंथ के सामने दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाज परेशान होते थे। कर्टली एंब्रोस की रफ्तार और उछाल ने कई टीमों के होश उड़ा दिए थे।

Dhoni को न चुनना बना चर्चा का विषय

दरअसल स्पिन विभाग में पोंटिंग ने शेन वॉर्न को चुना है, जो टेस्ट इतिहास के सबसे सफल स्पिन गेंदबाजों में से एक हैं। वॉर्न की गेंदों में जादू था और वह किसी भी बल्लेबाज को चकमा देने की काबिलियत रखते थे। पोंटिंग का यह फैसला बताता है कि वह किस तरह से संतुलित और मैच विनिंग टीम बनाना चाहते थे। महेंद्र सिंह धोनी को टीम में जगह न देना शायद इस टीम का सबसे बड़ा सरप्राइज है। धोनी ने टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए कई अहम पारियां खेली हैं और बतौर कप्तान भी उन्हें काफी सफलता मिली। लेकिन पोंटिंग ने एडम गिलक्रिस्ट को तरजीह दी, जो उनके अपने दौर के साथी खिलाड़ी रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने आक्रामक बैटिंग और शानदार विकेटकीपिंग से टेस्ट क्रिकेट में नया ट्रेंड सेट किया था। उनका स्ट्राइक रेट और विकेट के पीछे की चपलता उन्हें इस प्लेइंग 11 में जगह दिलाने में सफल रहे। हालांकि, धोनी फैंस के लिए यह फैसला थोड़ा चौंकाने वाला जरूर रहा।

इंदौर में शराब की कीमत का बड़ा गोरखधंधा, हर बोतल पर ज्यादा वसूली, रेट लिस्ट चस्पा नहीं!

इंदौर। बाजार में हर वस्तु के दाम तय हैं और उसके रैपर पर दाम भी दर्ज होते हैं। लेकिन, शराब के साथ ऐसा नहीं होता। शराब की बोतल पर भी दाम तो लिखे होते हैं, पर शराब उस कीमत में नहीं मिलती। कम से कम इंदौर में तो ऐसा नहीं होता। आबकारी आयुक्त ने अप्रैल 2025 से प्रदेश की हर शराब दुकान पर शराब की रेट लिस्ट चस्पा करने के निर्देश जारी किए थे।लेकिन, दो महीने बाद भी यह नहीं हुआ! क्योंकि,आबकारी के अफसर नहीं चाहते कि ऐसा हो! शहर में शराब की कीमतों को लेकर बड़ा भी खुलासा हुआ। आबाकारी विभाग के विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इंदौर में दो माह में लगभग 1 लाख शराब की पेटियों की बिक्री हुई। एक पेटी में औसतन 50 क्वार्टर होते हैं। यानी कुल मिलाकर दो माह में 50 लाख क्वार्टर बिके। चौंकाने वाली बात यह कि इन क्वार्टर पर प्रति क्वार्टर 15 रुपए अधिक वसूले जा रहे हैं। यानी हर माह करोड़ों रुपए अतिरिक्त वसूली की गई। यह खेल केवल दुकान स्तर पर नहीं, बल्कि आबकारी विभाग की मेहरबानी से पूरे इंदौर जिले में जारी है। क्वार्टर तो उदाहरण है, यही देशी और विदेशी दोनों तरह की शराब में हो रहा है। शराब के तयशुदा दामों से ज्यादा राशि वसूलने की सैकड़ों शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज की गई। लेकिन, अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। माना जा रहा है कि यह गोरखधंधा अप्रैल 2025 से लगातार जारी है। इस कारण ग्राहकों को मजबूरन अधिक दाम पर शराब खरीदनी पड़ रही है। कई दुकानों पर अधिक दाम वसूलने के बाद बिल नहीं दिया जाता। कुछ दुकानदार ग्राहकों को डराने या बहस करने पर शराब देने से मना भी कर देते हैं।

जानकारों का मानना है कि जब तक जिला प्रशासन और आबकारी विभाग मिलकर सख्त कदम नहीं उठाएंगे, तब तक यह गोरखधंधा बंद नहीं होगा। सवाल यह भी उठता है कि जब लगातार शिकायतें मिल रही थीं, तो आबकारी अधिकारी मौन क्यों रहे!

कुछ दुकानों पर दिखावे की कार्रवाई: कलेक्टर के निर्देश पर हाल ही में कुछ दुकानों पर छापे की कार्रवाई जरूर हुई। इनकी संख्या सिर्फ 18 दुकान है। लेकिन, बाणगंगा, महू नाका, राऊ, द्वारकापुरी, कंचनबाग, पलसीकर कॉलोनी आदि क्षेत्र की दुकानों की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी लोगों ने की है। मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों की कहना है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और पता लगाया जाए कि ये किसकी शह पर हो रहा है। ऐसे दोषी अधिकारियों और दुकानदारों पर कार्रवाई की जाना चाहिए। यह मामला केवल अधिक कीमत वसूली तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजस्व हानि और उपभोक्ता शोषण का भी बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रभारी जिले इंदौर में इस तरह की अवैध गतिविधियां कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। हाल ही में जबलपुर में इसी मामले को लेकर बड़ी कार्रवाई हुई है।

बाणगंगा की शराब दुकान पर कार्रवाई कब

बाणगंगा की शराब दुकान में अधिक दाम में बेची जा रही है। इसकी सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की जा चुकी है,लेकिन इस दुकान पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। साथ ही इस दुकान को रहवासियों के विरोध के बाद हटाने के आदेश भी जारी हो चुके है,लेकिन अभी तक इसे हटाने की भी कार्रवाई नहीं हुई।

आबकारी आयुक्त के आदेश को भी नहीं माना

जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल से शराब दुकानों पर लिस्ट चस्पा करना था। लेकिन, सहायक आबकारी आयुक्त ने आज तक लिस्ट चस्पा नहीं करवाई। क्या अभी तक जिन्होंने अधिक दाम देकर शराब खरीदी, उनका पैसे लौटाया जाएगा। रेट लिस्ट नहीं लगने के कारण अधिक दाम में शराब बिक्री का चल रहा था खेल। साथ ही यह आबकारी आयुक्त के आदेश का भी सरासर उल्लंघन है। यदि आबकारी आयुक्त के आदेश का पालन नहीं होना था, तो फिर इन निर्देशों का क्या मतलब!

यशस्वी जायसवाल ने अंपायर के फैसले पर दिखाया गुस्सा, आउट दिए जाने के बाद नहीं लौट रहे थे पवेलियन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड के दौरे का आगाज करेगी जिसमें उसे 5 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हेडिंग्ले के मैदान पर खेलना है। इस सीरीज की तैयारी को लेकर प्रमुख स्क्वाड का हिस्सा कुछ खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड पहुंच गए हैं, जिसमें वह इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच खेली जा रही 2 टेस्ट मैचों की अनऔपचारिक सीरीज में खेल रहे हैं। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला नॉर्थेम्प्टन के मैदान पर 6 जून से खेला जा रहा है, जिसमें टीम इंडिया के ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल सिर्फ 17 रन बनाकर आउट हो गए। जायसवाल को जब अंपायर ने एलबीडब्ल्यू आउट दिया तो उन्होंने फैसले को लेकर काफी नाराजगी भी जाहिर की। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनऔपचारिक टेस्ट मैच में इंडिया-ए टीम को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला जिसमें ओपनिंग में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी पारी की शुरुआत करने मैदान पर उतरी। दोनों ने शुरुआती ओवर्स में संभलकर खेला जिसमें जायसवाल 26 गेंदों का सामना करने के बाद 2 चौके लगाकर 17 रन बनाने के बाद क्रिस वोक्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। अंपायर ने जब जायसवाल को आउट करार दिया तो उसके बाद वह इस फैसले को लेकर काफी गुस्से में नजर आए जिसमें थोड़ी देर के लिए अपनी जगह पर खड़े होकर अंपायर को घूरते रहे और कुछ देर तक वह ऐसे ही खड़े रहने के बाद गुस्से में पवेलियन की तरफ मुड़कर फिर चले गए।

बकरीद के दिन सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार 7 जून को बकरीद के दिन सोना सस्ता हुआ है। आज पूरे देश में बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। कल ऋब्छु ने रेपो रेट में भी कटौती कर दी। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान जैसे बड़े शहरों में 10 ग्राम सोने का भाव 99,700 रुपये 22 कैरेट सोने का रेट 91,300 रुपये के ऊपर ही कारोबार कर रहा है लेकिन कल की तुलना में गोल्ड में मामूली गिरावट दिख रही है। यहां जानें आज शनिवार 7 जून 2025 को देश के बड़े शहरों में क्या रहा सोने-चांदी का भाव। शनिवार 7 जून को सोने की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली। दिल्ली में 22 कैरेट सोना 91,440 रुपये और 24 कैरेट सोना 99,740 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कल की तुलना में सोना 20 रुपये तक सस्ता हुआ है। मुंबई में भी 22 कैरेट सोना 91,290 रुपये और 24 कैरेट सोना 99,590 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। पटना, लखनऊ, जयपुर जैसे शहरों में भी सोने के दाम लगभग इसी के आसपास बने हुए हैं।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री मई में तीन फीसदी घटी भारत-पाकिस्तान संघर्ष की वजह से आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण कई राज्यों में ग्राहकों की ओर से खरीदारी में देरी तथा प्रवेश स्तर के मॉडलों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर तीन फीसदी घटकर 3,02,214 यूनिट रह गई। मई, 2024 में 3,11,908 वाहनों की बिक्री हुई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के मुताबिक, सीमित वित्तपोषण व कमजोर उपभोक्ता भावना के कारण प्रवेश स्तर के मॉडलों पर सबसे अधिक मार पड़ी। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध से जुड़ी चिंताओं और सीमा पर तनाव के कारण खरीदारों ने खरीदारी में देरी की। हालांकि, बुकिंग काफी अच्छी रही। मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 7 प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई। एक साल पहले यह 15,40,077 इकाई थी। शादियों-विवाह के ज्यादा मुहूर्त, मजबूत रबी फसल और मानसून पूर्व मांग के कारण अर्ध शहरी व ग्रामीण बाजारों में ज्यादा मांग रही। माल ढुलाई व तरलता की कमी के कारण वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 4 प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई। मई में तिपहिया वाहनों का पंजीकरण 6 प्रतिशत बढ़कर 1,04,448 इकाई हो गया। बसों की बिक्री से कुछ राहत मिली, लेकिन यात्री वाहन और कमोडिटी से जुड़े सेगमेंट में वित्तपोषण में देरी हुई।

अपने सर्वप्रिय पोहे का रोज 50 टन भोग लगा लेते हैं इंदौरी

आज विश्व पोहा दिवस पर मुकेश नेमा की विशेष रिपोर्ट

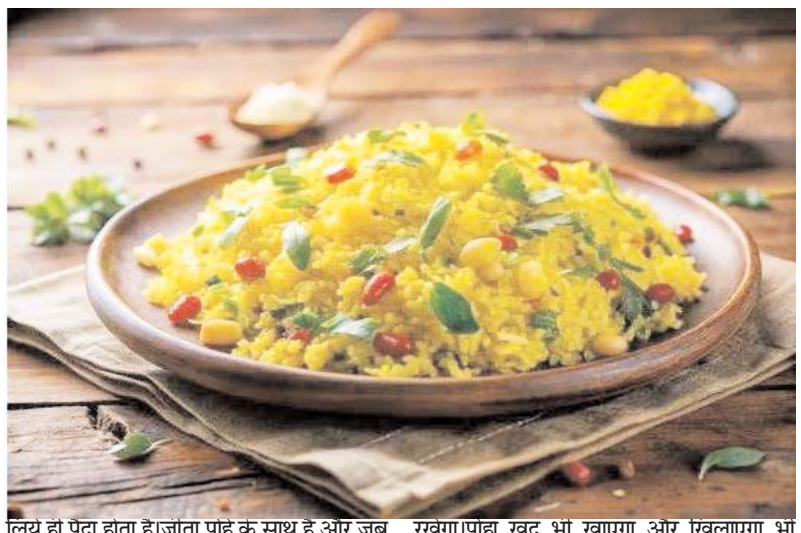

पोहा दिवस है आज ,सो पोहे की बात कर ली जाए। इंदौरी करते हैं पोहे की इज़्ज़त। ऐसी भयंकर इज्जत ये अपने बाप के अलावा और किसी की नही करते।ऐसे पोहाखोर मैंने पूरे हिंदुस्तान मे कहीं नहीं देखे।क्वांटिटी का पक्का तो पता नही पर रोज पच्चीस पचास टन पोहे का भोग लगा लेते हो ये लोग तो कोई बड़ी बात है नही।इंदौरी प्रेम करते है पोहे से। ये सपने मे अपनी प्रेमिका को नही पोहे के ठेले को देखते हैं।प्रेमिका यदि धोखे से दिख भी जाये सपने मे तो ये उसे पोहा खाते ,बनाते या खिलाते हुये ही देखते हैं।

इंदौर की सड़कों पर सुबह टहलने निकलिये।हर गली के मोड़ पर ,चौराहे पर ,हर चौथी दुकान पर ,बस स्टेंड से लेकर रेल्वे स्टेशन यहाँ तक ही हॉस्पिटलो के सामने भी पोहे के साफ सुथरे ठेले सज़े दिखेंगे आपको।ये पोहे के ठेले ,पोहाप्रेमियो की भीड से घिरे होते हैं।लोग या तो पोहा खा रहे होते है या पोहे की प्लेट हाथ लगने के इंतज़ार मे होते हैं।वैसे ये पोहा हमेशा प्लेट मे ही परोसा जाये ये कतई जरूरी नही होता।रद्दी अखबार मे रख कर इसे दिया जाना इंदौरियो की ही इजाद है ,मुझे तो ये लगता है कि इंदौर वाले अखबार ख़रीदते ही इसलिये है ताकि अगली सुबह उस पर रखकर पोहा खाया जा सके।

अब ऐसा भी नही है कि इंदौरी अपने घर मे पोहा नही खा सकता।घर मे भी खूब पोहा ख़ाता है वो और घर मे पोहा खाने के बाद सीधा नज़दीकी पोहे के ठेले पर पहुँचता है।उसे पोहा खाने की संतुष्टि हासिल ही तभी होती है जब वो ठेले पर खड़ा होकर यार दोस्तो के साथ पोहा खा ले।पोहे ने यारबाज बनाया है इंदोरियो को।ये पोहे की वजह से दोस्ती करते हैं और दोस्तों को पोहा खिलाते हैं। पोहे के ठेले पर खड़े इंदौरी को देखिये।वो पूरे धीरज के साथ अपनी बारी का इंतज़ार करता है।वो यह देखता है कि पोहे वाला उनकी प्लेट लबालब भरने मे कोई कंजूसी तो नही दिखा रहा।वो चाहता है कि प्लेट में पोहे का पहाड़ खड़ा कर दिया जाये।वो एक्स्ट्रा जीरावन और कटी प्याज़ की माँग करता है।नींबू और निचोड़ देने की फरमाईश होती है उसकी और थोड़े और सेव मिल जाने पर बहुत ज्यादा खुश हो जाता है। इंदौरी एक प्लेट पोहा खाने के बाद दूसरी की इच्छा करेगा और तीसरी प्लेट न खा पाने के कारण निराश होगा। इंदौरी सुबह उठते ही इसलिये है कि पोहा खाया जा सके और पोहे के बहाने ,अड़ोस पड़ौस से लेकर दुनिया जहान की बातें की जा सकें। अब ये बात भी सही है कि इंदौरी बात चाहे ज़माने की कर ले उसे आखि़र मे पोहे की बात पर ही लौट आना है। पोहे की बात भर निकल आये ,इंदौरियो की आँखे चमक जाती है। सच्चा इंदौरी वो जो पोहे की चर्चा सुनने भर से मुँह मे पानी भर ले। इंदौरी पोहा खाने के लिये ही पैदा होता है।जीता पोहे के साथ है और जब मर जाता है तो शोक जाहिर करने आये लोग ,पोहा खाते हुये उसकी और पोहे की तारीफ करते हैं।भैया थे तो व्यवहार कुशल ।कल सुबह ही तो दिखे थे पोहे के ठेले पर।जब भी मिलते थे पोहा खिलाये बिना मानते नही थे ! जल्दी गुज़र गये।हरि इच्छा।

इंदौरियो का जीवन चक्र पोहे के ठेले के आसपास ही घूमता है। ये देश दुनिया के हाल-चाल बाबत बीबीसी पर भरोसा करने के बजाय यहाँ मिली ख़बरों पर ज्यादा यक़ीन करते हैं।ये यहीं लड़ते झगड़ते भी है ,प्यार मोहब्बत और बीमारो की बाते भी करने के लिये भी सबसे बेहतर मौक़ा और जगह होती है ये।और बहुत बार बच्चो के ब्याह संबंध की बाते भी पोहे के ठेले पर बन जाती है। पोहा खाने को हमेशा तैयार ये बंदे इसके लिये ना रात देखते हैं ना दिन।इन्हें पोहा खाने के लिये दिन के चौबीस घंटे कम पड़ते हैं।यक़ीन ना हो तो किसी भी इंदौरी से पूछ कर देख लें तो या तो पोहा खाकर आया होगा या पोहा खाने जा रहा होगा। ये कुछ भी खाने के पहले और बाद मे पोहा खा सकते है और ,कुछ और खाने के साथ मे भी पोहा खा सकते हैं। मुझे लगता है कि ये तब और भी ज्यादा खुश होगे जब इन्हें पोहे की कढाई में ही बैठा दिया जाए।

यदि किसी इंदौरी की बातचीत मे पोहे का जिक्र नही आया तो क्या खाक इंदौरी हुआ वो ।आप इनसे दुनिया के किसी भी दूसरे सब्जेक्ट पर बात करने की कोशिश करके देख लें ये बेहद जल्दी पोहे की प्लेट पकड़ लेंगे। इंदौरी से आप जमाने भर की बातें कर ले। पर इतना भर ध्यान रखें कि उनके पोहे की शान मे गुस्ताख़ी न हो जाए आपसे। ऐसा करेंगे आप तो वो मान लेगा कि आप न तो तहज़ीब पसंद है और न ही ख़ानदानी हैं। इंदौर से बाहर बसे आदमी से पोहे का जिक्र छेड कर देखिये।वो ,चिट्ठी आई है ,वतन से चिट्ठी आई के अंदाज में तडपने लगेगा।मिलने आने वालों से पोहा साथ लेकर आने की उम्मीद रखेगा।पोहा खुद भी खाएगा और खिलाएगा भी आपको। ये ऑक्सीजन के बिना रह सकते है पर पोहे के बिना इनका जी पाना नामुमकिन है।

इंदौरियो ने पोहे के साथ जो प्रयोग किये हैं वो काबिलेतारीफ है।ये भाई लोग पोहे मे नींबू ,प्याज़ ,जीरावन ,सेव तो मिलाते ही है ,इसके अलावा सारी साग सब्ज़ियाँ ,तरी जैसी और भी दुनिया मे खाने लायक शायद ही कोई चीज छोडी होगी इन्होने जिसे ये पोहे के साथ मिलाकर ना खा लेते हों।इस तरह बने पोहे को ऊसल पोहा कहते है ये।ये इतना कुछ मिला लेते है पोहे में कि इंदौरी पोहा देखते ही आपको फौरन इंदौरियो की मिलनसारिता पर यक़ीन हो जायेगा। इंदौरियो को ग़रीबी बेरोज़गारी से ज्यादा पोहे मे कम डाले गये सेव परेशान करते हैं।महँगाई को लेकर भारत बंद हो तो उसे इस बात का टेंशन होता है कि पता नही आज छप्पन पर जैन की पोहे की दुकान खुलेगी या नही। वैसे इंदौर मे पोहा खाने वालो की पूरी तसल्ली तब होती है जब पोहे के साथ जलेबी मिल जाये उन्हें। यदि पोहा जलेबी के बाद गाढ़े दूध की मीठी ,कट चाय भी हासिल हो जाये तो वो मान लेते है कि वो सुबह सुबह किसी भले आदमी की शक्ल देख कर उठे हैं।

एक सच्चा इंदौरी पोहे की क्वॉलिटी और क्वांटिटी से कभी समझौता नहीं करता। वो अपने धंधे में दीवाला निकल जाना बर्दाश्त कर लेगा पर पोहे का उन्नीस निकल जाना वह सहन कर जाये ऐसा होना नामुमकिन है।इंदौर मे पोहा बनता भी लाजवाब है। यह तय है कि ऐसे पोहे और कहीं बनते नही ! पता नही यहाँ के पानी की तासीर है ये या पोहे को ही इंदौरियो से प्यार है जो खुद बखुद इतना बढिया बन जाता है।आप को पोहा पसंद है या नही यह मैं नही जानता। पर इंदौर आकर आप इसके प्यार मे पडे बिना नही रह सकते।यकीन ना हो तो इंदौर जाकर इसे आजमाया जा सकता है।

रेपो रेट में 0.50% की कटौती, नीतिगत रुख 'न्यूट्रल', क्रेडाई के प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रभाव

भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने आज वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही बैठक में बड़ा निर्णय लेते हुए रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती की है। इसके साथ ही वर्तमान रेपो दर घटकर 5.5% हो गई है, जो इससे पहले 6% थी।

बैंक ने अपने नीतिगत रुख को 'अकोमोडेटिव' से 'न्यूट्रल' में परिवर्तित करते हुए यह संकेत दिया है कि आगे दरों में सीमित बदलाव की संभावना रहेगी। यह कदम वैश्विक व्यापार अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के उद्देश्य से लिया गया है।

शहरी विकास पर प्रभाव

भोपाल और मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट को राहत बैंकों द्वारा होम लोन की ब्याज दरें घटाई जा सकती हैं, जिससे आवास क्षेत्र में खरीदारी को बढ़ावा मिलेगा। क्रेडाई के डेवलपर्स की मांग को मजबूती मिलेगी, खासकर मिड-सेगमेंट और अफोर्डेबल हाउसिंग में। भोपाल जैसे टियर-2 शहरों में रुके हुई प्रोजेक्ट्स को वित्तीय गति मिल सकती है।

व्यापार और निवेश वातावरण में सुधार

ब्याज दरों में गिरावट से उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को कार्यशील पूंजी सस्ती दरों पर मिलेगी। राजधानी क्षेत्र में चल रही स्मार्ट इंडस्ट्री, लॉजिस्टिक्स पार्क और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर की कमाल का भोपाल रिपोर्ट में प्रस्तावित योजनाओं के लिए यह निर्णय सकारात्मक वातावरण तैयार करेगा।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए संकेत

ब्याज दरों में गिरावट से कृषि ऋण आसान हो सकते हैं, विशेषकर जब मानसून सामान्य रहने की उम्मीद हो।

मनोज मीक, अध्यक्ष क्रेडाई भोपाल

रेपो दर में कटौती रियल एस्टेट और क्रेडिट आधारित निवेश गतिविधियों को पुनर्जीवित करने में सहायक होगी। मध्यप्रदेश के लिए यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां अब भी अफोर्डेबल हाउसिंग की मजबूत मांग है। हमारे कमाल का भोपाल रिपोर्ट के प्रस्तावों को मजबूती मिलेगी, भोपाल जैसे राजधानी शहरों में यह कदम विकास और रोजगार को गति देने वाला साबित होगा। आरबीआई का यह निर्णय स्पष्ट संकेत देता है कि अर्थव्यवस्था को सहारा देने की नीति प्राथमिकता में है, परंतु अब आगे बदलावों की गुंजाइश सीमित होगी। भोपाल जैसे उभरते शहरी केंद्र, जहाँ परियोजनाएं, निवेश और बुनियादी ढांचा निर्माण गति पकड़ रहे हैं वहाँ यह नीति बदलाव एक वित्तीय उत्प्रेरक की तरह कार्य करेगा।

भोपाल जैसे टियर-2 शहरों में रुके हुई प्रोजेक्ट्स को मिलेगी वित्तीय गति

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आरबीआई ने अपने नीतिगत रुख को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल में परिवर्तित करते हुए यह संकेत दिया है कि आगे दरों में सीमित बदलाव की संभावना रहेगी। यह कदम वैश्विक व्यापार अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के उद्देश्य से लिया गया है। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के संदर्भ में क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक ने कहाकि इससे भोपाल और मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट को राहत मिलेगी। बैंकों द्वारा होम लोन की ब्याज दरें घटाई जा सकती हैं, जिससे आवास क्षेत्र में खरीदारी को बढ़ावा मिलेगा। क्रेडाई के डेवलपर्स की मांग को मजबूती मिलेगी, खासकर मिड-सेगमेंट और अफोर्डेबल हाउसिंग में। भोपाल जैसे टियर-2 शहरों में रुके हुई प्रोजेक्ट्स को वित्तीय गति मिल सकती है।

व्यापार और निवेश वातावरण में सुधार

मीक ने कहाकि ब्याज दरों में गिरावट से उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को कार्यशील पूंजी सस्ती दरों पर मिलेगी। राजधानी क्षेत्र में चल रही स्मार्ट इंडस्ट्री, लॉजिस्टिक्स पार्क और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर की कमाल का भोपाल रिपोर्ट में प्रस्तावित योजनाओं के लिए यह निर्णय सकारात्मक वातावरण तैयार करेगा।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए संकेत

उन्होंने कहाकि ब्याज दरों में गिरावट से कृषि ऋण आसान हो सकते हैं, विशेषकर जब मानसून सामान्य रहने की उम्मीद हो। रेपो दर में कटौती रियल एस्टेट और क्रेडिट आधारित निवेश गतिविधियों को पुनर्जीवित करने में सहायक होगी। मध्यप्रदेश के लिए यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां अब भी अफोर्डेबल हाउसिंग की मजबूत मांग है।

तूफान के साथ हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (07 जून - 11 जून 2025) घने से मध्यम बादल रहने एवं दिनांक 07.06.2025 से 08.06.2025 को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश एवं दिनांक 09.06.2025 से 10.06.2025 को बिजली, तूफान के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 39-40 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 51-59 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 29-34 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम एवं उत्तर-पश्चिम दिशाओ में बहने एवं 08-24 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

सुख शांति समृद्धि के लिए साधकों द्वारा मातेश्वरी मंदिर में मंत्रों का पाठ

अमरवाड़ा। नगर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष में जगदेव मातेश्वरी मंदिर साधकों के द्वारा देवी पाठ प्रतिदिन निरंतर किया जा रहा है आचार्य जितेंद्र तिवारी जी ने बताया कि कई वर्षों से मातेश्वरी मंदिर पर देवी पाठ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 1008 नव देवियों के नाम का उच्चारण के साथ मंत्रों का पाठ किया जो कोरोना जैसी महामारी को मुक्त करने के लिए किया जा रहा एवं नगर की सुख शांति के लिए रोग, क्लेश, से मुक्ति के लिए किया जा रहा 6 जून शुक्रवार एकादशी के पावन पर्व पर 1008 नमो से भगवती जी अर्चन एवं मंत्रों का पाठ,क्षमा याचना श्लोक का संग्रह महाआरती का आयोजन किया जाना है जिसमें समस्त नगर ग्रामीण ग्रामीणवासी इन मंत्रों के साक्षी बने एवं पूर्ण लाभ अर्जित करें

मोहिनी भीमसिंह चौरे का पीएचडी में चयन

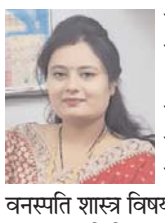

छिंदवाड़ा। ऊभेगांव निवासी शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी ओमकार वानखेड़े नागरिक टेलर्स की पुत्रि एवं किरार समाज के युवा जिला अध्यक्ष भीमसिंह चौरे की पत्नी श्रीमती मोहिनी वानखेड़े का पीएचडी के लिए चयन हुआ है। वह राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा से वनस्पति शास्त्र विषय में पीएचडी करेंगी। पूर्व में आपने राजमाता सिंधिया महाविद्यालय से बीएससी एवं दानियलसन महाविद्यालय से एमएससी की डिग्री प्राप्त कर यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। एवं बॉटनी विषय से नेट परीक्षा भी उत्तीर्ण किया है। मोहिनी की उपलब्धि से परिवार एवं समाज में गौरव का माहौल है। पिछले सप्ताह अल्प प्रवास पर छिंदवाड़ा आए नर्मदापुरम के सांसद श्री दर्शनसिंह चौधरी जी ने भी मोहिनी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी थी। नेट परीक्षा उत्तीर्ण होने पर किरार समाज के पदाधिकारियो ने भी सामाजिक समारोह में स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर मोहिनी का सम्मान किया था।

नगरपालिका अध्यक्ष के प्रयासों से डी स्लीजिंग व्हीकल स्वीकृत

अमरवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन विभाग भोपाल द्वारा नगरपालिका अमरवाड़ा में डी स्लीजिंग व्हीकल स्वीकृत किया गया है । दिसम्बर 2024 में नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा भोपाल प्रवास के दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से नया डी स्लीजिंग व्हीकल प्रदान करने माँग की गई थी। उक्त माँग को मंत्री जी द्वारा स्वीकार कर शासन ने व्हीकल क्रय करने हेतु 19 लाख रुपये स्वीकृत किए गये है। सेप्टिक टैंक सफ़ाई मशीन सहित नया ट्रेक्टर नगरपालिका द्वारा क्रय किया जाएगा। शासन द्वारा स्वीकृति पर नगरपालिका अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवम् सभापति, पार्षदों द्वारा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आभार व्यक्त किया गया।

जनपद सदस्य शांति सिंगारे का पति मनोज सिंगारे की चप्पलों से धुलाई का वीडियो वायरल

अमरवाड़ा। जनपद पंचायत अमरवाड़ा के अंतर्गत उमरिया में मनोज सिंगारे के द्वारा उपसरपंच की बार बार झूठी शिकायत करता है और परेशान करता है और पंचायत के कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है इस वजह से उपसरपंच की पत्नी द्वारा मनोज सिंगारे की चप्पलों से जमकर धुनाई की गई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और भी स्कूल और वन विभाग में भी शासकीय कर्मचारीयो को परेशान करता है और वो अपने आप को जनपद सदस्य समझता है

शहर के वार्डों में तैयार हो रही कांग्रेस की सशक्त टीम

छिन्दवाड़ा। नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्डों में कांग्रेस की सशक्त टीम तैयार की जा रही है। वार्ड स्तर पर पहुंचकर शहर कांग्रेस के पदाधिकारी संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंप रहे हैं, ताकि वार्ड के प्रत्येक घर तक कांग्रेस की मजबूत पहुंच हों।शहर कांग्रेस कमेटी के अन्तर्गत आने वाले कांग्रेस के पश्चिम उप ब्लॉक की बैठक वार्ड क्रमांक 42 में सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में संगठन को सशक्त करने के साथ ही वार्डवार पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी भी सौंपी जा रही है। आगामी दिवस में भाजपा की जनविरोधी सरकार के खिलाफ बिगुल फूंकने की तैयारी वार्ड व बूथ स्तर से की जा रही है। पश्चिम उप ब्लॉक के सभी वार्ड व घरों तक कांग्रेस के मजबूत सम्पर्क स्थापित करने के साथ ही लोगों से सीधे संवाद की रणनीति तैयार की गई। आमजन की समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाकर प्रदेश की सोई हुई भाजपा सरकार के कानों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक

छिन्दवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन म.प्र.जिला शाखा छिन्दवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं उपाध्यक्ष के.एस.सेंगर ने बताया कि दिनांक 6जून 2025 दिन रविवार दोपहर 12:30 बजे स्थान जनसेवा सदन भवन शिवनगर कॉलोनी पुराना पी.डब्ल्यू.डी. ऑफिस के आगे मासिक बैठक आहूत की गयी है। दिनांक 26,27 अप्रैल 2025 को अमरकंटक में कोर कमेटी की बैठक में प्रत्येक जिले में 200 नवीन सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है सभी से अनुरोध है कि लक्ष्यपूर्ति के लिये विशेष प्रयासकिये जाना है दिनांक 15 जून 2025 को सिवनी में संभागीय स्तर की बैठक है ।

महंगे दामों पर मिल रहे मक्का कंपनियों के बीज

किसानों का कहना सरकार द्वारा कृषि विभाग को अच्छी कंपनियों के बीज उपलब्ध नहीं कराने से कंपनियों ने लूट मचाई

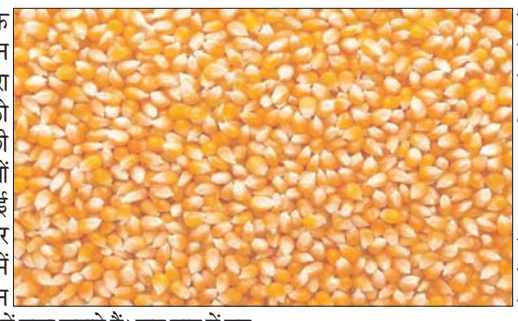

छिंदवाड़ा। किसानों को लाभ की खेती बनाने के लिए प्रदेश सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है लेकिन कंपनियों पर सरकार का ध्यान नहीं है। कंपनियों द्वारा मक्का बीज के हर वर्ष दाम बढ़ाने से किसानों को नुकसान हो रहा है। पहले प्रदेश सरकार अच्छी कंपनियों के बीज कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को कम रेट में उपलब्ध कराती थी लेकिन पिछले कई वर्षों से कंपनियों के बीज उपलब्ध नहीं कराने से बाजार में विभिन्न प्रकार की कंपनियों के बीज मंहगे दामों में मिल रहे हैं। प्रदेश में छिंदवाड़ा जिला मक्का के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। जहां सभी किसान अपने खेतों में मक्का लगाते हैं। जून माह में मृग लगते ही किसानों की बोनी शुरू हो जाती है। बीज भंडार दुकानों में मक्का खरीदने के लिए किसानों की भीड़ लगने लगी है। ज्यादा दामों में मिल रही मक्का की थैली को लेकर किसानों में गुस्सा है 1400 से लेकर 2000 तक मक्का की थैली बिक रही है। किसानों का कहना है कि पिछले वर्ष से भी ज्यादा कीमत पर कंपनियों ने रेट बढ़ा दिए हैं। इसका कारण बताते हुए किसानों का कहना है कि कृषि विभाग द्वारा अच्छी कंपनियों का मक्का विभाग में उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है जिसके चलते कंपनियों ने लूट मचा रखी है। किसानों की प्रदेश सरकार से मांग है कि विभाग को अच्छी कंपनियों का मक्का उपलब्ध कराया जाएगा तो बाजार में इतने मंहगे कीमत पर मक्का बीज नहीं मिलेंगे।

जो मक्का मिलना वह भी कार्यालयों में नहीं पहुंचा मक्का

कृषि विभाग द्वारा हर वर्ष किसानों को मक्का उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन अभी तक कृषि विस्तार कार्यालयों में जो लोकल कंपनी का मक्का मिलना है वहीं भी नहीं पहुंचा है। जो किसान बड़ी कंपनियों के मंहगा मक्का नहीं ले पाते वे विभाग के मक्का से ही काम चला लेते हैं।

मक्का का प्रमाणीकरण नहीं किया जाता

प्रदेश सरकार के निर्देश है कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को जो मक्का उपलब्ध कराया जाना है उसका प्रमाणीकरण होना अनिवार्य है लेकिन विभाग के अधिकारी बिना प्रमाणीकरण ही लोकल कंपनियों से मक्का ले लेती हैं। उसका रेट भी निर्धारण होना जरूरी है।

पार्टी में सभी कार्यकर्ता बराबर हैं और पार्टी सभी को काम देती है: शेषराव यादव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्कृति को पुनर्जीवित करने का काम किया: बंटी साहू संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर कार्यशाला का आयोजन

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, सांसद बंटी विवेक साहू, जिला संगठन प्रभारी संतोष पारिक एवं विधायक राजा कमलेश शाह ने शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यशाला का प्रारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा वन्देमातरम गीत का गायन जिला महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा दामोदर द्वारा किया गया।भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपई की कविता छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता से अपना संबोधन प्रारंभ किया। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि अटल जी की यह कविता पढ़े सबने लेकिन अमल कोई नहीं करता। उन्होंने कहा कि एक समय हमने देखा था कि जिले में ऐसे लोग थे जिनके लिए कहा जाता था कि उनके दिए के तेल खत्म नहीं होता लेकिन आज उनके पास दिया जलाने के लिए तेल तक नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने आप सभी को जो जिम्मेदारी दी है उसे आपसी मनमुटाव, अपना पराया छोड़कर साथ में काम करते हुए निभाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोग हमारी पार्टी को सम्मान से देखते हैं हमें ये सम्मान बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी कार्यकता बराबर है और पार्टी सभी को काम देती है। उन्होंने कहा कि सभी को बड़ा मन करके सभी कार्यकर्ता को एक साथ लेकर चलना होगा। सांसद बंटी विवेक साहू ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गौरव का पल है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के 11 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्कृति को पुनर्जीवित करना का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की चौदहवीं अर्थव्यवस्था से विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गई है और इसी प्रकार जल्दी ही भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जायेगा। उन्होंने कहा कि मोदी का संकल्प भारत को विश्व की पहली बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण की योजनाओं को चलाकर और सीधे उन तक लाभ पहुंचाकर देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर किया है। उन्होंने कहा कि एक समय विश्व में भारत में फैली गंदगी चर्चा का विषय होती थी आज भारत की स्वच्छता चर्चा का विषय है।

जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था द्वारा ग्राम भाजीपानी में हुआ पौधारोपण

छिंदवाड़ा। जल गंगा संवर्धन अभियान एवम विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को प्रदेश के मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव जी के आव्हान पर संपूर्ण मध्यप्रदेश में बृहद स्तर पर पौधारोपण किया गया इसी श्रंखला में छिंदवाड़ा के ग्राम उभेगाव के ग्राम भाजीपानी में कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में मध्यप्रदेश अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं पर्यावरण विद विनोद तिवारी के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था सिद्धि विनायक नगर विकास समिति छिंदवाड़ा द्वारा सेक्टर क्रमांक 4 उभेगाँव के ग्राम पंचायत भाजीपानी में माता मंदिर के पास जल स्त्रोत की साफ सफाई कि गई और मंदिर परिसर के आस पास वृक्षारोपण किया गया जिसमें फलदार, छायादार, औषधीय गुणवत्ता वाले पौधे लगाए गए और संस्था द्वारा ग्रामवासियों को अपने खेत और घर के आस पास लगाने के लिए पौधे भेंट किए गए इस अवसर पर परामर्श दाता डॉ लता नागले द्वारा उपस्थित जनों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी गई और सभी से अपील की गई कि अपने अपने घर के आस पास एक पेड़ अवश्य लगाए, परामर्शदाता आशीष साहू द्वारा ग्रामीण को जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी दी गई और मंदिर के आस पास साफ सफाई कराई गई और जल स्त्रोत के पास सफाई कराई गई, नवांकुर संस्था अध्यक्ष डॉ महेश बंदेवार ने जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के कार्य ग्रामीण जन को बताए और जन सहयोग प्राप्त करते हुए वृक्षारोपण किया और सभी ग्राम वासियों का आभार प्रकट किया और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भाजीपानी, खापकला, सांख, उमरहर, उभेगांव,चारगांव के सदस्यों के सहयोग प्रदान करने की अपील की, इस अवसर पर ष्ट्रष्ट्यस्त्रश्च के बी एस डब्लू एम एस डब्लू के छात्र छात्राओं सुनीता बोबडे, आदित्य पटेल, चितेश डहरिया वंदना देखमुख ने ग्राम भाजीपानी के ग्रामवासी से मिलकर वहां पर जल की व्यवस्था और प्राकृतिक जल स्त्रोत की जानकारी ली और ग्रामीण जीवन को जाना इसमें ग्राम भाजीपानी के ग्रामवासी आदित्य पटेल, केशराम मालवी,शिवकुमार उईके, समल,श्यामजी ने सहयोग प्रदान किया।

शिवाजी महाराज का किया दूध से अभिषेक

छिंदवाड़ा। जिला क्षत्रिय मराठा समाज ने अपने आराध्य देव, मराठा साम्राज्य के संस्थापक महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया। सुबह नौ बजे सभी सामाजिक बंधु, युवा और मातृशक्ति नागपुर रोड, शिवाजी चौक पहुंचे। यहां सर्वप्रथम ढोल नगाड़ों की धुन में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का दूध से अभिषेक किया। इसके बाद सभी सामाजिक बंधुओं ने विवि विधान से पूजन अर्चन किया और शिवाजी की प्रतिमा पर माल्याणर्पण कर पुष्पवर्षा की। ढोल नगाडे के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज का जयघोष किया गया। समाज के वरिष्ठ जनों ने बताया कि शिवाजी महाराज का राज्य अभिषेक दिवस हमारे लिए नई चेतना, नई ऊर्जा लेकर आता है। जिला क्षत्रिय मराठा समाज के अध्यक्ष प्रवीण काटकर ने बताया कि आज ही के दिन महाराज शिवाजी से छत्रपति बने थे। 6 जून 1674 को मराठा योद्धा शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में हुआ था।

भारत माता देश भक्ति की प्रेरणा और आस्था का प्रतीक: मुख्यमंत्री डॉ यादव

भारत माता की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े

सिवनी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सिवनी में स्थापित भारत माता की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जिलेवासियों को महाविद्यालय में भारत माता की प्रतिमा स्थापित होने की शुभकामनाएं देते हए कहा कि भारत माता हमारे लिए देश भक्ति की प्रेरणा और आस्था का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत ही ऐसा देश जहां राष्ट्र को माता के रूप में पूजता हैं। हमें अपनी भारतीय संस्कृति में गर्व हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि भारत देश की ओर आंख उठाकर देखने वाले दुश्मनों को हमारी सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया हैं। देश की आन-बान-शान की रक्षा के लिए हमारी सेना क्या कर सकती हैं, ये पूरे विश्व ने देखा हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उपस्थित युवाओ को भी भारतीय सेना से प्रेरणा लेकर देश हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

विधायक दिनेश राय ने कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि जिलें के महाविद्यालय में राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा देने वाली भारत माता की प्रतिमा स्थापित होना हम सभी के लिये गर्व की बात है। उन्होनें कहा कि सिवनी महाविद्यालय प्रदेश का पहला महाविद्यालय हैं जहाँ भारत माता की भव्य प्रतिमा स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने के छात्र-छात्राओं को भारत माता से प्रेरणा लेते हुए समाज कल्याण का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने युवाओं को स्वयं के उद्यम स्थापित कर रोजगार सृजन करने के लिये प्रेरित किया।

कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया एवं जनभागीदारी अध्यक्ष अजय पांडे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत गीतों का प्रस्तुतिकरण एवं 101 सुसज्जित आरती थाल भारत माता की भव्य आरती की गई। जिसमें सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु इंद्र प्रसाद त्रिपाठी, कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन, पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता,प्राचार्य डॉ रविशंकर नाग सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, महाविद्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण दिवस पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन, वक्ताओं ने दिए अनेक सुझाव

गंजबासौदा। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के बैनर तले विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय विश्राम गृह में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सेवा निर्वत प्राचार्य ज्ञान प्रकाश भार्गव, पंचतत्व संरक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, नवांकुर विद्या पीठ के प्राचार्य शैलेन्द्र दीक्षित, ग्राहक पंचायत के प्रांत प्रचार प्रमुख प्रदीप जैन उपस्थित रहे। संगोष्ठी का प्रारंभ माता सरस्वती व देव तुल्य पौधों के पूजन अर्चन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथि स्वागत के उपरांत पर्यावरण संगोष्ठी का विधिवद प्रारंभ हुआ। जिसमें नगर के करीब ढाई दर्जन वक्ताओं ने अपने अपने विचार परिचर्चा के माध्यम से रखे। मुख्य वक्ता श्री भार्गव ने विलुप्त हो रहे कुएं व बावड़ी पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इनके जीर्णोद्धार के लिए शासन के माध्यम से विस्तृत योजना की आवश्यकता है। उन्होंने जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण सहित कारखानों से निकलने वाले कैमिकल से नदियों के प्रदूषण पर भी चिंता व्यक्त की ओर एक सघन जनजागृति अभियान की बात कही है। पंचतत्व संरक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी ने कहा कि कुछ दशक पहले तक हम सभी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर वृक्षों को पूजते थे लेकिन आज यह परम्परा व मान्यता भी कम होती जा रही है और हम अपने निजी स्वार्थ के लिए वृक्ष को काटने से भी नहीं चूकते। नवांकुर विद्या पीठ के प्राचार्य शैलेन्द्र दीक्षित ने कहा कि पौधारोपण का कार्य भी नेक विचार और मन से होना चाहिए तभी पौधा वट वृक्ष बनता है अपितु राजनीतिक उद्देश्य से आप भले हजारों की संख्या में भी पौधा रोपण कर दो तब भी उसका कोई अर्थ नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हमें पौधा रोपण के साथ साथ पौधों व वृक्षों को बचाने का भी संकल्प लेना चाहिए। ग्राहक पंचायत के प्रांत प्रचार प्रमुख प्रदीप जैन ने ग्राहक पंचायत के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला व बताया कि ग्राहक पंचायत को पर्यावरण के विषय को समाज के बीच उठाने के क्यों आवश्यकता पड़ी श्री जैन ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर सभी से एक संकल्प पत्र भी भरने का आग्रह किया। संगोष्ठी के उपरांत विश्राम गृह परिसर में दो पौधों का रोपण भी किया गया। पर्यावरण संगोष्ठी में प्रमुख रूप से मुकेश राजपूत, प्रमोद राजपूत, मनोज राठौर, नीलेश चतुर्वेदी,गगन दुबे, अभय जैन,संदीप अरोरा, परसराम दुबे, अभिषेक शर्मा, नितिन सक्सेना,कैलाश चौरसिया,मुकेश सेन, ध्रुव शर्मा, प्रमोद चौरसिया, विवेक विश्वकर्मा,अभिषेक पटेल , शुभेन्द्र राजपूत, शुभम ठाकुर, कपिल शर्मा, ओम प्रकाश चौरसिया, शुभम रघुवंशी, शुभम शुक्ला सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे जिन्होंने अपने अपने विचार संगोष्ठी परिचर्चा में व्यक्त किए। संगोष्ठी के कार्यक्रम का संचालन अमित शुक्ला के द्वारा किया गया व आभार व्यक्त अभिषेक पटेल के द्वारा व्यक्त किया गया।

बिना परमीशन के अतिक्रमण तोड़ने मानसरोवर काम्पलेक्स पहुंचा निगम का दस्ता

छिंदवाड़ा। ईद के त्यौहार के चलते अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर निगम ने अभियान पर फिलहाल रोक लगाई हुई है। लेकिन अनुमति नहीं होने के बावजूद भी शुक्रवार को अतिक्रमण दस्ता मानसरोवर काम्पलेक्स में पहुंच गया और यहां व्यापारियों के साथ विवाद भी हुआ। जबकि एसडीएम और कमिश्नर द्वारा कोई परमीशन नहीं दी गई थी। मानसरोवर काम्पलेक्स समीति के अध्यक्ष हेमंत पटेल ने बताया कि मानसरोवर काम्पलेक्स प्राईवेट काम्पलेक्स है जिसका मालिक राज्य परिवहन है। यहां रखरखाव और संचालन मानसरोवर समीति द्वारा किया जाता है। श्री पटेल ने कहा कि नगर निगम दस्ता यहां समीति से परमीशन लेकर ही अतिक्रमण हटा सकता है। लेकिन शुक्रवार को प्रशासन से भी परमीशन नहीं होने पर निगम का दस्ता मानसरोवर काम्पलेक्स पहुंच गया।

खनिज निरीक्षक के वाहन चालक की पिटाई

अवैध वसूली के आरोप में बवाल, पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप, विभाग में मचा हड़कंप

छिंदवाड़ा। खनिज विभाग में पदस्थ एक खनिज निरीक्षक के नजदीकी प्राइवेट वाहन चालक की अवैध वसूली को लेकर सरेआम पिटाई कर दी गई। यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि सूत्रों के अनुसार आरोपी चालक लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त था।विभागीय जानकारी के मुताबिक, वाहन चालक पवन खनिज निरीक्षक के नाम और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए कथित तौर पर रेत, गिट्टी और अन्य खनिज परिवहन से अवैध वसूली में लिप्त होने की शिकायत आए दिन सामने आती रही है।इसी के चलते क्षेत्र में व्यवसायियों और ट्रांसपोर्टरों में नाराजगी बढ़ रही थी। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले भी चालक पर गंभीर आरोप लग चुके हैं, लेकिन विभागीय संरक्षण के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो सकी थी। इस बार जब मामला हद से पार हुआ, तो कुछ लोगों ने आक्रोश में आकर चालक की घर के पास स्थित रेलवे क्रासिंग के पास सार्वजनिक पिटाई कर दी। मामला चौरई में रेत का वाहन पकड़ने का बताया जा रहा है। जिसमें वाहन जब्त होने की बात भी सामने आई है।घटना के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है, और उच्चाधिकारियों की निगाहें अब खनिज निरीक्षको की भूमिका पर भी टिक गई हैं।

प्रश्न चिह्न खड़ा करता है प्रशासनिक मौन

इस घटना ने प्रशासनिक स्तर पर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सरकारी विभागों में पदस्थ अधिकारी किस तरह अपने कर्मचारियों और प्राइवेट सहयोगियों के माध्यम से जनहित को नजर अंदाज कर निजी लाभ ले रहे हैं।

इनका कहना

खनिज निरीक्षक के प्राइवेट वाहन के चालक पवन के साथ मारपीट हुई है। इस बात की शिकायत हुई है। जिसको जांच में लिया गया है।

गोविंद राजपूत, टी आई, देहात थाना,

पेपरलेस मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने दिया प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर कार्यालय छिन्दवाड़ा के सभा कक्ष में आज प्रभारी कलेक्टर श्री अग्रिम कुमार की उपस्थिति में आगामी पंचायत उप निर्वाचन 2025 पेपरलेस मतदान प्रक्रिया से संपन्न कराने के लिये मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मॉकपोल के लिये गठित मतदानदलों एवं सेक्टर प्रबंधन दलों को प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर्स डॉ.पी.एन.सनेसर व श्री धीरेन्द्र दुबे एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रमेश कुमार मेहरा द्वारा प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि पेपरलेस मतदान प्रक्रिया से आगामी पंचायत उप चुनाव मतदान कराया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में मास्टर ट्रेनर्स को मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल में प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं जिला स्तर पर इस प्रक्रिया की जानकारी मॉकपोल/प्रचार-प्रसार के लिये गठित मतदान दलों को प्रशिक्षण देने एवं मॉकपोल के माध्यम से हेंड्स ऑन कराने के लिये निर्देश जारी किये गये हैं। प्रभारी कलेक्टर श्री कुमार द्वारा बताया गया कि पेपरलेस मतदान प्रक्रिया आगामी पंचायत के उपनिर्वाचन में मतदान केन्द्र पर मतदान के दौरान पीठासीन अधिकारी द्वारा की जाने वाली सभी प्रक्रियायें डिजिटल/इलेक्ट्रानिक स्वरूप है।

117 प्रशिक्षणार्थियों का हुआ चयन

छिन्दवाड़ा। शासकीय आई.टी.आई. छिन्दवाड़ा में आज सुजुकी मोटर्स प्रायवेट लिमिटेड गुजरात द्वारा आई.टी.आई. उत्तीर्ण एवं अंतिम वर्ष में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों के लिए एफटीसी के लिये कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कैंपस ड्राइव में आई.टी.आई. उत्तीर्ण 58 एवं अध्यनरत 103 कुल 161 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

भोपाल में ईद की नमाज में देश- प्रदेश के लिए मांगी दुआ, दी शुभकामनाएं

भोपाल। राजधानी भोपाल में आज ईद-उल-अजहा (बकरीद) पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाई जा रही है। इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक जिलहिज्जा की 10वीं तारीख को मनाई जाने वाली ईद की घोषणा शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी ने बुधवार को मोती मस्जिद में मगरिब की नमाज के बाद चांद दिखने पर की थी। ईदगाहों और मस्जिदों में आज सुबह से ही नमाज अता की जा रही है। ईदगाह में नमाज का समय सुबह 6-30 बजे था, इसके बाद ताजुल मसाजिद में 6-45 बजे, जामा मस्जिद में 7 बजे, मोती मस्जिद में 7-15 बजे और मस्जिद बिल्किस जहां (आरिफ नगर) में 7-30 बजे ईद की नमाज अता की गई। शहर काजी नदवी ने कहा कि कुर्बानी इस्लाम का एक अहम फर्ज है, लेकिन इसे सलीके और सलीम तरीके से अंजाम देना हर मुसलमान की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कुर्बानी के स्थान को चारों ओर से ढंका जाए, सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और प्रशासनिक नियमों का पालन किया जाए।

शहर की मोती मस्जिद, जामा मस्जिद, मस्जिद बिल्किस जहां (आरिफ नगर) सहित शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी अपने निर्धारित समय पर नमाज अता की गई। शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने अमनो अमान और अच्छी बारिश के साथ ईद की नमाज का समापन किया। शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी और ताजुल मसाजिद में मौलाना हस्सान साहब ने सूफियों, ऋषि-मुनियों और बुजुर्गों की मोहब्बत वाली राह पर चलाने की दुआ मांगी।

एमपी के सागर में बन रहा विश्व का सबसे बड़ा जैन मंदिर

216 फीट ऊंचा होगा शिखर, 324 मूर्तियों की होगी स्थापना

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले में आगामी पांच वर्षों के भीतर विश्व का सबसे बड़ा जैन मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। मंदिर निर्माण का कार्य 2016 में जैन आचार्य विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद से शुरू हुआ था, और यह पिछले नौ वर्षों से निरंतर प्रगति पर है। मंदिर समिति का दावा है कि इस प्रकार का विशाल और भव्य जैन मंदिर अब तक विश्व में कहीं और नहीं बना है, जो इसे अनूठा बनाता है।

216 फीट ऊंचा शिखर और 324 मूर्तियों की होगी स्थापना

यह मंदिर सिर्फ आकार में ही नहीं, बल्कि इसकी धार्मिक संरचना भी बेहद विस्तृत है। मंदिर का शिखर 216 फीट ऊंचा होगा, जो दूर-दूर तक नजर आएगा। मंदिर के अंदर 324 जैन मूर्तियां स्थापित की जाएंगी, जिनमें 12 मूल नायक और 12 विधि नायक भगवान शामिल होंगे। मंदिर के प्रत्येक खंड की ऊंचाई लगभग 40 फीट रखी गई है, जिससे इसकी भव्यता और भी अधिक प्रभावशाली प्रतीत होती है।

सहस्त्र जिनालय का भी किया जाएगा निर्माण

मंदिर के ठीक सामने, पूर्व दिशा में सहस्त्र जिनालय का भी निर्माण किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए एक और आकर्षण होगा। आचार्य विद्यासागर महाराज का मानना है कि जहां तक इस मंदिर का शिखर दृष्टिगोचर होगा, वहां तक के वास्तु दोष स्वतः समाप्त हो जाएंगे। यह विचार मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

राजस्थान और गुजरात के पत्थरों से निर्मित

मंदिर की भव्यता में चार चांद लगाने के लिए विशेष प्रकार के लाल और पीले पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है, जिन्हें राजस्थान और गुजरात से मंगवाया गया है। करीब 11 लाख घन फीट पत्थर मंदिर निर्माण में लगाए जा रहे हैं, जो इसे न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि स्थापत्य कला के हिसाब से भी ऐतिहासिक बनाता है। उल्लेखनीय है कि यही पत्थर अयोध्या राम मंदिर और कुंडलपुर के जैन मंदिर में भी उपयोग किए गए हैं।

महापौर मालती राय ने आज बी एच ई एल स्पोर्ट क्लब के सामने अमर रोलर स्केटिंग द्वारा आयोजित 15वें ओपन भोपाल रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर मैडल वितरण किए एवं संबोधित किया , आयोजकों को शुभकामनाएं दी।

अगस्त से सोगरिया-दानापुर स्पेशल में सभी श्रेणियों के कोच: अब एसी-इकोनॉमी के साथ स्लीपर व सामान्य डिब्बे भी

भोपाल। यात्रियों की बढ़ती जरूरतों और फीडबैक को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने सोगरिया-दानापुर-सोगरिया साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 09819/09820) की कोच संरचना में बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। अब तक यह ट्रेन गरीब रथ स्पेशल के रूप में केवल एसी इकोनॉमी डिब्बों के साथ चलाई जा रही थी, लेकिन 4 अगस्त 2025 से इसमें सभी श्रेणियों के कोच शामिल कर दिए जाएंगे। इससे हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी, खासतौर पर उन्हें जो स्लीपर या सामान्य श्रेणी में सफर करना चाहते थे लेकिन सीटें उपलब्ध नहीं होने के कारण वंचित रह जाते थे। नई रेक व्यवस्था के साथ यह ट्रेन 5 अगस्त से अगले आदेश तक संचालित होगी।

रेलवे ने कहा....

यह गाड़ी सोगरिया से चलकर बारां, रुठियाई, गुना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर और सतना होते हुए दानापुर पहुंचेगी। इन रूटों पर यात्रा करने वालों को अब अधिक सीट विकल्प और कंफर्म टिकट की बेहतर संभावना मिलेगी। भोपाल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया, एलएचबी कोच पारंपरिक कोचों की तुलना में अधिक सुरक्षित, तेज और आरामदायक होते हैं। इसके अलावा इनमें बर्थ की संख्या भी अधिक होती है, जिससे प्रतीक्षा सूची वालों को सीट मिलने की संभावना बढ़ जाती है। यात्रियों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है और भविष्य में भी मांग के अनुसार सुविधाओं में सुधार किया जाएगा।

भोपाल के छोला इलाके में आबकारी टीम की कार्रवाई

घर में बने स्टॉक रूम से 186 पेटी शराब बरामद

भोपाल। छोला इलाके में आबकारी की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक घर में अवैध रूप से बनाए गए स्टॉक रूम से शराब की 186 पेटी बरामद हुई। बरामद शराब की कीमत 9.50 लाख रुपए बताई जा रही है। दबिश की भनक लगते ही तस्कर भाग निकला। उसकी तलाश की जा रही है।

सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ ने बताया कि छोला मंदिर इलाके में एक घर से शराब तस्करी की सूचना मिली थी। नियंत्रण कक्ष प्रभारी रामगोपाल भदौरिया के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक रमेश अहिरवार की टीम ने दबिश दी। तलाशी के दौरान 186 पेटी शराब बरामद हुई, जबकि 50 खाली पेटियां भी वहां रखी थीं। आबकारी टीम का अंदाजा है कि तस्कर 50 पेटी शराब शहर में खपा चुका है। जांच में पता चला है कि पट्टे के मकान से अवैध शराब का कारोबार चल रहा था। तस्कर का नाम कल्ला है। पड़ताल करने पर पता चला कि उसका क्षेत्र में दबदबा है।

29 लीटर शराब बरामद

खजूरी सड़क थाना पुलिस ने शराब तस्कर को कार सहित गिरफ्तार कर लिया। तस्कर की पहचान पीयूष यादव के रूप में हुई। तलाशी के दौरान कार से 29 लीटर शराब बरामद हुई। ऐशबाग का रहने वाला तस्कर सीहोर के रास्ते शहर में शराब लेकर आ रहा था।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

उधर बैरसिया में पुलिस ने खेजड़ा जोड़ के पास एक स्कॉर्पियो को पुलिस ने पकड़ा, जिसमें तस्करी कर लाई जा रही 17 पेटी अवैध शराब रखी थी। गाड़ी में सवार पंकज साहू और सचिन अहिरवार को गिरफ्तार किया गया है। पकड़ी गई अवैध शराब की अनुमानित कीमत 70 हजार रुपए है।

भोपाल के न्यू मार्केट में बदमाशों के आतंक: शोरूम में तोड़फोड़, दुकान के फ्लैक्स पर तलवारें मारी

भोपाल। भोपाल के न्यू मार्केट में यूवानी एक्सक्लूसिव शोरूम पर बदमाशों ने तोड़फोड़ कर दी। वारदात हिस्ट्रीशीटर बदमाश और उसके गुर्गों ने की है। आरोपियों ने देर रात दो बंद दुकानों को निशाना बनाया है। घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। घटना के बाद इलाके के कारोबारियों ने सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। आरोपियों की अभी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

आदित्य सिंह परिहार (34) न्यू मार्केट में यूवानी एक्सक्लूसिव नाम से ब्राइडल ड्रेस का शोरूम संचालित करते हैं। उन्होंने बताया कि हर रोज की तरह दुकान बंद करने के बाद घर गए थे। देर रात दो बाइकों पर सवार होकर करीब चार युवक आए। आरोपी कुछ देर यहां वहां देखते रहे और सुनसान होने का फायदा उठाते हुए उन्होंने उनकी दुकान के शो केस के कांच फोड़ दिए। इसके बाद साइड की एक बंद दुकान के फ्लैक्स फाड़ दिए। सभी आरोपी हाथों में तलवार और छुरियां थामे हुए थे। कारोबारी का कहना है कि आरोपियों से कोई पुरानी रंजिश नहीं है, वे केवल दहशत फैलाने के इरादे से तोड़फोड़ कर फरार हुए हैं।

अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज

आदित्य की शिकायत पर टीटी नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया है। फरियादी की ओर से पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपे गए हैं। पूरा घटनाक्रम दुकान में लगे कैमरों में कैद हुआ है।

इंदौर पुलिस का भी वांटेड है आरोपी

आदित्य के मुताबिक उन्होंने स्वयं तस्दीक कर मुख्य आरोपी की पहचान की है। आरोपी मोनू ठाकुर भोपाल के नया बसेरा का रहने वाला है। हिस्ट्री शीटर बदमाश है और बाइक चोरी के मामले में इंदौर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हाल ही में उसने कमला नगर थाना क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमला भी किया था।